संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 215
पृष्ठ 8
शनिवार
26 अप्रैल 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित

Email : shaharsamta@gmail.com

Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बालों के लिए फिटकरी...

विचार- पहलगाम हमला: संशय के बादल

खेल- चिन्नास्वामी में खुला आरसीबी की...

पाकिस्तानियों को खोज-खोज कर निकालें बाहर : अमित शाह

● शाह ने सभी मुख्यमंत्रियों से पाकिस्तानी नागरिकों की सूचना देने को कहा

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत द्वारा पाकिस्तानी नागरिकों के लिए सभी मौजूदा वीजा रद्द करने के एक दिन बाद, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को सभी मुख्यमंत्रियों को पड़ोसी देश के नागरिकों की पहचान करने और उन्हें अपने-अपने राज्यों से तुरंत हटाने का निर्देश दिया। शीर्ष अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक के बाद, अमित शाह ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को उन्हें निर्वासित करने के लिए तत्काल कदम उठाने का निर्देश दिया। अमित शाह इस मुद्दे पर सभी मुख्यमंत्रियों से बात कर रहे हैं और उनसे अपने-अपने राज्यों में सभी पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान करने और उनकी शीघ्र पाकिस्तान वापसी सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने को कह रहे हैं। पहलगाम आतंकी हमलों के मद्देनजर, भारत ने सभी पाकिस्तानी नागरिकों को 27 अप्रैल तक भारत छोड़ने के लिए कहा। केंद्र ने आगे कहा कि मेडिकल वीजा वाले पाकिस्तानी नागरिकों को अतिरिक्त दो दिन मिलेंगे, लेकिन उन्हें 29 अप्रैल तक देश छोड़ना होगा। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में कहा, ष्पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर सुरक्षा पर कैबिनेट समिति द्वारा लिए गए निर्णयों के क्रम में, भारत सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा सेवाओं को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का निर्णय लिया है। नयी दिल्ली ने 2008 में 26 नवंबर को मुंबई में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत में नागरिकों पर हुए सबसे जघन्य आतंकवादी हमले के सीमापार संबंधों पर जवाबी कार्रवाई के तहत पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा सेवाएं तत्काल प्रभाव से निलंबित करने की भी घोषणा की। यह नया कदम भारत द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ कई कदमों की घोषणा के एक दिन बाद उठाया गया है, जिसमें पाकिस्तानी सैन्य अताशे को निष्कासित करना, 1960 की सिंधु जल संधि को स्थगित करना और अटारी भूमि-पारगमन चौकी को तत्काल बंद करना शामिल है।

जम्मू-कश्मीर: बांदीपोरा में मुठभेड़ में 2 पुलिसकर्मी घायल

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में मुठभेड़ में दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिले के अजस जंगल में तड़के शुरू हुई मुठभेड़ अब भी जारी है। अधिकारियों ने बताया कि सूचना मिलने के बाद जंगल में तलाशी अभियान शुरू किया गया। उन्होंने बताया कि जैसे ही सुरक्षा बल एक ठिकाने की ओर बढ़े, आतंकवादियों ने जवानों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिससे मुठभेड़ शुरू हो गई। उन्होंने बताया, "शुरुआती गोलीबारी में दो पुलिसकर्मी घायल हो गए।" हालांकि, पुलिस ने अभी तक अपने किसी भी जवान के घायल होने की पुष्टि नहीं की है। सेना ने शुक्रवार को बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना मिलने के बाद बांदीपोरा के कोलनार अजस में पुलिस के साथ संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया गया।

हेमवती नंदन बहुगुणा की जयंती पर सीएम योगी ने दी श्रद्धांजलि, कहा-

देश की सेवा में योगदानों के लिए वे सदैव किए जाएंगे याद

लखनऊ, संवाददाता। आज उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. हेमवती नंदन बहुगुणा की जयंती पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। सीएम ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हे पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि, महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री हेमवती नंदन बहुगुणा की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! देश एवं प्रदेश की सेवा में अपने योगदानों के लिए वे सदैव स्मरण किए जाएंगे। बता दें कि, आज पूर्व मुख्यमंत्री स्व. हेमवती नंदन बहुगुणा की 104वीं पावन जयंती है। सीएम योगी ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि, स्व. हेमवती नंदन बहुगुणा का प्रदेश के विकास के लिए विजन स्पष्ट था। उन्होंने देश की आजादी के विभिन्न आंदोलनों में सक्रिय भागीदारी निभाई थी। सीएम ने उन्हें याद करते हुए बताया कि, उनका जन्म 25 अप्रैल 1919 को आज के उत्तराखंड के पौड़ी जनपद के एक गांव में हुआ था। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा गांव के ही एक स्कूल में ग्रहण की और उन्होंने अपनी सेकेंडरी, सीनियर सेकेंडरी के साथ-साथ उच्च शिक्षा के लिए प्रयागराज का रुख किया। सीएम योगी ने कहा कि, उन्होंने वर्ष 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान व बाद में भी देश की आजादी के लिए विभिन्न आंदोलनों में बढ़चढ़ कर भाग लिया। प्रयागराज और उत्तर प्रदेश के विकास के लिए उनका विजन बहुत स्पष्ट था। ऐसे में अनेक दायित्वों का निर्वहन करने का अवसर उन्हें स्वतंत्र भारत के रूप में प्राप्त हुआ।

हर एक भारतीय एकजुट हो, श्रीनगर में राहुल गांधी बोले- सरकार जो कदम उठाएगी, हम साथ हैं

श्रीनगर, एजेंसी। विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी आज जम्मू-कश्मीर दौरे पर हैं। उन्होंने पहलगाम आतंकवादी हमले के घायलों और पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से भी उन्होंने श्रीनगर में मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने कहा कि पूरे जम्मू-कश्मीर ने आतंकवादी हमले की निंदा की, राष्ट्र का पूरा समर्थन किया। उन्होंने कहा कि मैंने कुछ

घायलों से मुलाकात की, मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि एकजुट विपक्ष इस कार्रवाई की निंदा करता है; जो भी कार्रवाई की जाएगी हम उसका समर्थन करते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि यह जरूरी है कि सभी भारतीय एकजुट हों, ताकि हम आतंकवादियों और उनके इरादों को परास्त कर सकें। उन्होंने कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हर एक भारतीय एकजुट होकर खड़ा हो, साथ खड़ा हो, ताकि हम आतंकवादियों द्वारा की जा रही कोशिशों को परास्त कर सकें। यह देखकर दुख होता है कि कुछ लोग कश्मीर और देश के बाकी हिस्सों से मेरे भाइयों और बहनों पर हमला कर रहे हैं और मुझे लगता है कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम सभी एक साथ खड़े हों, एकजुट होकर इस घिनौनी कार्रवाई का मुकाबला करें और आतंकवाद को हमेशा के लिए परास्त करें। कांग्रेस नेता ने कहा कि मैंने मुख्यमंत्री और एलजी से भी मुलाकात की, और उन्होंने मुझे जो कुछ हुआ उसके बारे में जानकारी दी, और मैंने उन दोनों को आश्वासन दिया कि मेरी पार्टी और मैं उनका पूरा समर्थन करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं यहां यह जानने आया हूं कि क्या हो रहा है और मदद करने आया हूं। जम्मू-कश्मीर के सभी लोगों ने इस भयानक कार्रवाई की निंदा की है और उन्होंने राष्ट्र का पूरा समर्थन किया है। मैंने घायल हुए लोगों में से एक से मुलाकात की।

एलजी ने 28 अप्रैल को बुलाया जम्मू-कश्मीर विधानसभा का विशेष सत्र, पहलगाम हमले पर होगी चर्चा

जम्मू, एजेंसी। पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले के मद्देनजर जम्मू-कश्मीर विधानसभा को सोमवार, 28 अप्रैल, 2025 को सुबह 10:30 बजे जम्मू में बुलाने का आदेश दिया गया है। यह आदेश 24 अप्रैल को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 की धारा 18(1) के तहत जारी किया। विधानसभा सचिव मनोज कुमार पंडित ने विधानसभा के सभी माननीय सदस्यों को संबोधित आधिकारिक समन भेजा। सत्र में तत्काल सुरक्षा चिंताओं और अन्य महत्वपूर्ण विधायी और प्रशासनिक मामलों पर विचार-विमर्श होने की उम्मीद है। इससे पहले जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में पहलगाम में पर्यटकों पर हुए हमले की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया गया तथा पाकिस्तान के खिलाफ भारत सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का समर्थन किया गया। सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा कि हम, जम्मू-कश्मीर की सर्वदलीय बैठक के प्रतिभागी, 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में निर्दोष नागरिकों पर हुए हाल ही के बर्बर हमले से बहुत स्तब्ध और व्यथित हैं, सामूहिक एकजुटता और संकल्प की भावना से इस प्रस्ताव को अपनाते हैं। हम पहलगाम में हुए जघन्य, अमानवीय हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं, जिसमें निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाया गया और उनकी हत्या की गई। अब्दुल्ला ने कहा कि शांतिपूर्ण नागरिकों के खिलाफ क्रूरता के ऐसे कायरतापूर्ण कृत्यों का समाज में कोई स्थान नहीं है।

संसद से पारित कानून संवैधानिक तौर पर वैध, उन पर रोक नहीं लगा सकते

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट से वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज करने का अनुरोध किया और कहा कि इस कानून पर पूर्ण रोक नहीं लगाई जा सकती क्योंकि इसकी संवैधानिकता पर पूर्वधारणा है। 1,332 पृष्ठों के प्रारंभिक जवाबी हलफनामे में केंद्र सरकार ने विवादास्पद कानून का बचाव करते हुए कहा कि चौंकाने वाली बात है कि 2013 के बाद वक्फ भूमि में 20 लाख हेक्टेयर (ठीक 20,92,072.536 हेक्टेयर) से अधिक की बढ़ोतरी हुई। केंद्र सरकार के हलफनामे में कहा गया है, मुगल काल से पहले, स्वतंत्रता के पहले और स्वतंत्रता के बाद में भारत में कुल 18 लाख 29 हजार 163.896 एकड़ भूमि पर वक्फ बनाए गए। इसमें निजी और सरकारी संपत्तियों पर अतिक्रमण करने के लिए पहले के प्रावधानों के दुरुपयोग का दावा किया गया है। बता दें कि, यह हलफनामा अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय में संयुक्त सचिव शेरशा सी शेख मोहिद्दीन की तरफ से दायर किया गया था। हलफनामे में आगे कहा गया है कि, कानून में यह तय है कि संवैधानिक अदालतें किसी वैधानिक प्रावधान पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोक नहीं लगाएंगी और मामले पर अंतिम रूप से निर्णय लेंगी। संसद की तरफ से बनाए गए कानूनों पर संवैधानिकता की धारणा लागू होती है।

सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को दी राहत, समन पर लगाई रोक

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने वीर सावरकर के खिलाफ कथित विवादास्पद टिप्पणी के मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ समन जारी करने के एक निचली अदालत के आदेश पर शुक्रवार को रोक लगा दी। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने श्री गांधी की याचिका पर उन्हें यह राहत देने के साथ ही उन्हें कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के खिलाफ कोई गैरजिम्मेदाराना टिप्पणी करने से बचना चाहिए। उत्तर प्रदेश से लोकसभा सांसद श्री गांधी ने उच्च न्यायालय के इस आदेश को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटा आया था। पीठ ने लोक सभा में विपक्ष के नेता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता ए एम सिंघवी से कहा " आप अपने स्वतंत्रता सेनानियों के साथ ऐसा व्यवहार करते हैं। उन्हें कोई गैरजिम्मेदाराना बयान नहीं देना चाहिए।" शीर्ष अदालत ने श्री सिंघवी से कहा कि महाराष्ट्र में सावरकर की पूजा की जाती है। राहुल गांधी को ऐसा बयान नहीं देना चाहिए क्योंकि वह एक पार्टी के राजनीतिक नेता हैं। पीठ ने अधिवक्ता से पूछा " क्या आपके मुवक्किल (राहुल गांधी) को पता है कि महात्मा गांधी ने भी वायसराय को संबोधित करते समय श्आपका वफादार सेवकश शब्द का इस्तेमाल किया था? क्या आपके मुवक्किल को पता है कि उनकी दादी (इंदिरा गांधी) ने भी प्रधानमंत्री रहते हुए सज्जन (सावरकर) की प्रशंसा करते हुए एक पत्र भेजा था। जब आप इतिहास जानते हैं तो आप स्वतंत्रता सेनानियों के साथ ऐसा व्यवहार नहीं करते। आप इस तरह की टिप्पणी क्यों करते हैं।" शीर्ष अदालत ने यह कहते हुए कि वह उनके खिलाफ मानहानि की कार्यवाही पर रोक लगाएगी, लेकिन इस तरह का कोई और बयान देने से रोकेगी। पीठ ने श्री सिंघवी से कहा " स्पष्ट रूप से, आगे कोई भी बयान देने पर हम स्वतरू संज्ञान लेंगे और मंजूरी का कोई सवाल ही नहीं है। हम आपको स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में कुछ भी (गलत) बोलने की अनुमति नहीं देंगे। उन्होंने हमें स्वतंत्रता दिलायी है।" शीर्ष अदालत ने कांग्रेस नेता द्वारा दिए गए बयान को दृढ़ता से अस्वीकार करते हुए उन्हें स्पष्ट रूप से बताया कि यदि उन्होंने भविष्य में ऐसी टिप्पणी की तो उन्हें परिणाम भुगतने होंगे। श्री गांधी ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देते हुए शीर्ष न्यायालय का दरवाजा खटखटाया, जिसने विनायक दामोदर सावरकर के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी के मामले में उनके खिलाफ समन को रद्द करने से इनकार कर दिया था।

दुकानों के बाहर डस्टबीन नहीं तो 500 रुपए लेकर देगा निगम, कचरा मिलने पर 100 रुपए जुर्माना

- नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण, नाली की सफाई न होने पर पेनाल्टी लगाने के निर्देश

- बसवार स्थित लीगेसी वेस्ट प्लांट भी पहुंचे, सीएंडडी वेस्ट प्लांट में बने उत्पाद निखारेंगे शहर

प्रयागराज। प्रयागराज नगर आयुक्त श्री साईं तेजा ने शुक्रवार को भारद्वाज आश्रम के पास और आनंद भवन के सामने सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्हें नालियों की ठीक से सफाई नहीं मिली। इस पर उन्होंने सफाई इंस्पेक्टर पर गहरी नाराजगी जताई। नगर आयुक्त ने साफ निर्देश दिए कि सभी दुकानों के बाहर दो डस्टबीन अवश्य रखवाए जाएं। उन्होंने कहा कि जिन दुकानों के बाहर और सामने गंदगी मिले, उन पर 100 रुपये और जिनके पास डस्टबीन न हो, उन पर 500 रुपये का फाइन लगाया जाए और उन्हें दो डस्टबीन उपलब्ध कराया जाए। साथ ही उन्होंने यह भी आदेश दिया कि डस्टबीन को चूने का घेरा बनवाकर रखा जाए, ताकि स्वच्छता बनी रहे।

निरीक्षण के बाद नगर आयुक्त नैनी स्थित बसवार लीगेसी वेस्ट प्लांट पहुंचे, जहां उन्होंने फ्रेश वेस्ट, लिगेसी वेस्ट और सीएंडडी वेस्ट प्लांट का निरीक्षण किया। अधिकारियों द्वारा जानकारी दी गई कि वर्तमान में लगभग 3 लाख टन लिगेसी वेस्ट शेष है, जिसे शीघ्र निस्तारित करने के प्रयास जारी हैं।

नगर आयुक्त ने एसएलएफ (साइंटिफिक लैंडफिल) साइट का भी निरीक्षण किया और कचरे से वैकल्पिक ईंधन (त्क्थ्) तैयार करने के लिए कार्यरत कंपनी को शेडर लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने त्क्थ् को सीमेंट कंपनियों तक पहुंचाने के लिए अन्य कंपनियों से भी समन्वय बैठाने हेतु मीटिंग आयोजित करने को कहा। निरीक्षण के दौरान अपर नगर आयुक्त श्री दीपेंद्र यादव, सहायक नगर आयुक्त सुश्री दीपशिखा पांडेय, पर्यावरण अभियंता श्री उत्तम वर्मा समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

डिवाइडर पर लगेंगे मलबे से बनाए गए गमले

सीएंडडी प्लांट के निरीक्षण के लिए पहुंचे नगर आयुक्त ने वहां तैयार हो रही टाइल्स और गमले खरीदने की बात कही। इस दौरान अधिकारियों ने उन्हें बताया कि महाकुंभ के दौरान हुए निर्माण कार्यों में सीएंडडी वेस्ट प्लांट से बनी चेकर्ड टाइल्स और अन्य उत्पादों का इस्तेमाल किया गया है। इस पर नगर आयुक्त ने निर्देश दिए कि डिवाइडरों पर रखने के लिए उनकी साइज में गमले बनाए जाएं। साथ ही उन्होंने निगम की ओर से चल रहे अन्य निर्माण कार्यों में भी प्लांट से बनी ईंटों सहित अन्य उत्पाद इस्तेमाल करने के निर्देश दिए।

प्रयागराज नगर निगम (पीएमसी) ने 2021 में बसवार में निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट प्रबंधन (सीएंडडी वेस्ट रिसाइकिलिंग) प्लांट स्थापित किया है। नगर निगम न केवल इस संयंत्र से तैयार निर्माण उत्पादों का 40: खरीद रहा है, बल्कि उन्हें बेचने में भी मदद कर रहा है। अधिकारियों ने बताया कि इससे नागरिकों को सस्ती और पर्यावरण के अनुकूल निर्माण सामग्री भी उपलब्ध हो रही है।

565 करोड़ की लागत से लगाया गया है प्लांट

प्रयागराज स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत स्थापित, यह उत्तर प्रदेश का पहला सीएंडडी प्लांट है। प्लांट में मलबे को सीसी ईंटों, चेकर्ड टाइल्स, पेवर ब्लॉक जैसे उपयोगी उत्पादों में बदला जाता है। ये न केवल पारंपरिक उत्पाद की तुलना में अधिक मजबूत हैं, बल्कि उचित मूल्य पर भी उपलब्ध हैं। इस सीएंडडी प्लांट की लागत करीब 565 करोड़ रुपये है। कंपनी ने इस प्लांट में अत्याधुनिक मशीनों का इस्तेमाल किया है, जो कई तरह के निर्माण उत्पाद बनाती हैं।

मलबा संग्रहण के लिए 15 केंद्र

मलबे की रिसाइकिलिंग को और भी प्रभावी बनाने के लिए नगर निगम ने शहर भर में 15 स्थानों पर संग्रह केंद्र बनाए हैं। यहां लोग अपने घरों या कारोबार से निकलने वाले मलबे को जमा कर सकते हैं। इससे नागरिकों के लिए मलबे का निपटान करना आसान हो जाता है। इससे मलबा सही जगह पर पहुंचता है और रिसाइकिलिंग प्रक्रिया का हिस्सा बनता है।

इसके अलावा नगर निगम ने टोल फ्री नंबर 1920 भी जारी किया है, जिससे लोग मलबे के संग्रह के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और मकान तोड़ने के बाद इन केंद्रों पर मलबा जमा कर सकते हैं।

नामित संग्रहण केंद्र

कॉल्विन आई हॉस्पिटल, केएन काटजू रोड

पोर्ट स्टेडियम के पास, लकड़ी मंडी खुल्दाबाद

डंपिंग साइट अतरसुइया

गंगा दर्शन ट्रांसफार्मर, मेहदौरी

बीएसएनएल कार्यालय, मम्फोर्डगंज

सगुन निलयम, बेली रोड

हॉलैंड हॉल के पास, कर्नलगंज थाना

गोरा कब्रिस्तान के सामने नाले के पास

हैजा (आईडीएच) परिसर

दारागंज रेलवे स्टेशन के पास डंपिंग साइट

भट्ठा गांव के बाहर सड़क से सटी जमीन, एमआरएफ सेंटर के पास

जहांगीराबाद मत्स्य पालन तालाब रोड से सटी जमीन

पोर्ट स्टेशन के पास पार्क के बगल में, ट्रांसपोर्ट नगर

आईईआरटी ग्राउंड, सलोरी

प्राइमरी स्कूल के पास, अंदावान

प्रयागराज के सीएंडडी प्लांट की मुख्य विशेषताएं:

- ☐ क्षमतारू 200 टन प्रतिदिन
- ☐ उत्पादरू सीसी ईंटें, चेकर्ड टाइल्स, इंटरलॉकिंग टाइल्स, कर्व स्टोन, फ्लावर पॉट्स, गिट्टियां, फिलिंग सैंड।
- ☐ सुविधारू नागरिकों के लिए टोल-फ्री नंबर 1920
- ☐ तकनीकरू उन्नत अपशिष्ट प्रसंस्करण तकनीक
- ☐ पर्यावरण पर प्रभावरू न्यूनतम
- ☐ गुणवत्ता मानकरू उच्चतम गुणवत्ता मानकों को पूरा करता है

मानवाधिकार सुरक्षा संगठन ने दी पहलगाम के मृतकों को श्रद्धांजलि

मोरना। शुकतीर्थ मे अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार सुरक्षा संगठन द्वारा पहलगाम के मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। जिलाध्यक्ष मुकेश गौतम, जिला महामंत्री राजेश शर्मा, जिला सचिव मनोज चौधरी, ब्लॉक् अध्यक्ष प्रवेश कुमार व सत्यपाल सिंह, नितिन

कुमार, संजीव शर्मा आदि ने मौन व्रत कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

भोकरहेड़ी मे अनुसूचित मोर्चा ने दी श्रद्धांजलि

मोरना। भोकरहेड़ी मे भारतीय जनता पार्टी के शुकतीर्थ मंडल अध्यक्ष रविंद्र वाल्मीकि के आवास पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई जिसमें पहलगाम के आतंकी हमले मे मारे गये निर्दोष व्यक्तियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। समाजसेवी भूपेंद्र वाल्मीकि ने कहा की देश का शीर्ष नेतृत्व बेहद मज़बूत है। सरकार निर्दोष व्यक्तियों की हत्या का बदला अवश्य लेगी।

पहलगाम के शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

मुजफ्फरनगर। All India Anticruption Trust व झांसी रानी व्यापार मण्डल संयोजक विक्की चावला के तत्वाधान मे कैंडल मार्च आयोजन कर पहलगाम के शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए जिसमें कोतवाली थानाध्यक्ष राजेश घुणावत , अधिशाषी अधिकारी प्रज्ञा सिंह,भाजपा व्यापारी नेता राजकुमार कालरा आदि मौजूद रहे। दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि देते हुए विक्की चावला ने कहा कि पहलगाम में हमला करने वाले आतंकवादियों

ने पहले पर्यटकों से पूछा कि कलमा आता है नहीं, हिन्दू हो तो शूट कर दिया और कहा गया कि अपनी सरकार को बता देना। विक्की चावला ने कहा कि पाकिस्तान भूल गया है कि 1965 में भी भारत धूल चटा चुका है कारगिल में धूल चटा चुके है। सरकार पाताल से भी खोजकर इन आंसुओं का बदला लेगी स्थानीय निवासी की रोजी रोटी पर्यटकों से मिलती हैं वे दुःखी हैं घाटी सुनसान करोगे तो सुन लो अब आतंक जड़ से खत्म होगा स्थानीय हो या पाकिस्तानी देश अपने आंसू का हिसाब लेगा और घाटी सुनसान नहीं होगी वहां विकास होगा लेकिन ताज्जुब ये कि स्थानीय पुलिस पर्यटन स्थल पर नहीं थी। इस दौरान संजय गोस्वामी ,विपिन संगल, नदीम अंसारी, पूनम शर्मा,सुनील राजदेव, ेंदाल कक्कड़, अरुण प्रताप सुरेंद्र कुमार , नरेंद्र पवांर, पंकज,आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सड़क पर स्टंट कर रही कार को पुलिस ने किया जब्त

प्रयागराज। सिविल लाइंस पुलिस ने गुरुवार की रात बीच सड़क पर स्टंट करते तेज रफ्तार कार को पकड़ा। कार चालक स्ट्रेची रोड चौराहे से हीरा हलवाई चौराहे तक तेज रफ्तार व लापरवाही से चला रहा था। इससे सड़क पर गुजरने वाले अन्य वाहन चालकों व राहगीरों में खलबली मच गई। राहगीरों की सूचना पर तत्काल पुलिस सक्रिय हो गई। पुलिस ने आईसीसीसी से सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद चालक सहित कार को पकड़ा। थाना प्रभारी रामाश्रय यादव ने बताया कि कार को सीज करते हुए चालक के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मामूली विवाद पर दो भाइयों पर जानलेवा हमला

प्रयागराज। झलवा निवासी सिद्धार्थ सोनकर और उसके भाई रिषु सोनकर पर चौक के समीप कुछ लोगों ने मामूली विवाद पर जानलेवा हमला कर दिया। दोनों भाई खुल्दाबाद से वापस लौट रहे थे। आरोप है कि रास्ते में आधा दर्जन युवक खड़े। सिद्धार्थ ने सिर्फ युवकों से साइड हटने की बात कही। इस पर युवकों ने गाली–गलौज शुरू कर दी। जब सिद्धार्थ ने विरोध किया, तो आरोपियों ने लामबंद होकर लाठी–डंडे से सिद्धार्थ व रिषु पर हमला कर दिया। दोनों भाई लहूलुहान हो गए। आस–पास के लोगों के जुटने पर हमलावर भाग निकले। कोतवाली थाना पुलिस तहरीर के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुटी है।

बीएससी–एमएससी की सेमेस्टर परीक्षाएं एक से

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के परिवार एवं समुदाय विज्ञान विभाग की बीएससी–एमएससी इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रम की परीक्षा का कार्यक्रम घोषित किया गया है। द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा एक से सात मई तक, चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा एक से 13 मई तक होगी। इसके साथ ही एमएससी खाद्य पोषण द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा दो से 13 मई तक और चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा एक से 14 मई तक होगी। एमए–एमएससी टेक्सटाइल एंड एपरल डिजाइनिंग द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा दो से 13 मई तक और चतुर्थ सेमेस्टर एक 13 मई तक होगी। एमएससी जैव रसायन विभाग द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा पांच से 14 मई तक ओर चतुर्थ सेमेस्टर छह से 16 मई तक होगी।

सरकारी कार्यालयों में ग्रीन गैलरी तैयार करने की मुहिम शुरू

प्रयागराज। अर्चिशा फाउंडेशन की मनसा सिंह के संरक्षण में सभी सरकारी कार्यालयों में ग्रीन गैलरी तैयार करने की मुहिम शुरू की गई है। इसमें तय हुआ है कि खाद और पौधा फाउंडेशन की तरफ से रहेगा जबकि मिट्टी और गमले का दाम दानकर्ता देंगे।

दूषित पानी कर रहा है बीमार

प्रयागराज। शहर के कालिंदीपुरम की नवविकसित नव दुर्गा कॉलोनी एवं उससे लगी श्रीनिकेतन विहार कॉलोनी में दूषित पेयजल की आपूर्ति लोगों को बीमार कर रही है। लगभग एक पखवारे से गंभीर बन चुकी इस समस्या की बाबत

स्थानीय लोगों ने जिम्मेदारों से शिकायत की लेकिन कुछ नहीं हुआ। कॉलोनी के लोगों का कहना है कि जो पानी आ रहा है वह भी इतना गंदा और बदबूदार कि एक घंटा नल खुला छोड़ने के बाद ही उसका उपयोग कर पा रहे हैं। कॉलोनी के लोगों की दिक्कतों को जानने पर सभी ने पेयजल संकट और दूषित जलापूर्ति को यहां की बड़ी समस्या बताया। इसके साथ ही सीवर लाइनों के चोक होने, गंदा पानी ओवरफ्लो होकर घरों में घुसने, स्ट्रीट लाइटो का अभाव आदि समस्या भी गिनाई। साफ तौर पर लोगों का कहना है कि यह क्षेत्र दो जनप्रतिनिधियों की आपसी खींचतान के कारण उपेक्षा का शिकार बनता जा रहा है।

नलों से गंदा और दुर्गंध युक्त पानी आने के कारण कालिंदीपुरम की नवविकसित श्रीनिकेतन कॉलोनी एवं नव दुर्गा कॉलोनी के लोग बेहद परेशान हैं। घरों में इतना बदबूदार और मटमैला पानी आ रहा है कि लोग एक घंटा तक नल खुला छोड़ देते हैं उसके बाद ही उपयोग के लायक पानी मिल पाता है। दूषित जलापूर्ति के कारण बड़ी तादात में लोग पेट संबंधी बीमारियों की चपेट में आते जा रहे हैं। समस्या की गंभीरता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि पिछले दिनों कुछ बच्चों को अस्पताल ले जाने एवं भर्ती कराने तक की नौबत आ चुकी है। कॉलोनी के लोगों का कहना है कि करीब तीन चार माह से चली आ रही यह समस्या पिछले एक पखवारे से गंभीर रूप अख्तियार कर चुकी है। लोग इतने परेशान हैं कि पानी उबालने के बाद ही उसे इस्तेमाल कर रहे हैं। बड़ी संख्या में लोग पानी खरीद कर पी रहे हैं। कहा जा रहा है कि यहां पेयजल के लिए बिछाई गई पाइप लाइनें जगह–जगह से क्षतिग्रस्त हो गई हैं जिससे लोगों के घरों में दूषित पानी आ रहा है।

इन कॉलोनियों में पेयजल की समस्या काफी पुरानी है। कहने को तो सुबह पांच से 10 बजे तक और दोपहर में एक बजे से जलापूर्ति की जाती है लेकिन प्रेशर इतना कम रहता है कि पानी की जरूरतें पूरी नहीं हो पाती। बिना मोटर के मकानों के भूतल तक भी पानी नहीं पहुंच पाता। अक्सर जलापूर्ति एक घंटे पहले ही बंद कर दी जाती है जिससे लोग परेशान रहते हैं। यहां कांशीराम आवास योजना के पास बने नलकूप से जलापूर्ति की जाती है। कहा जा रहा है कि नलकूप कहने को तो चल रहा है लेकिन पुराना नलकूप अब चलने लायक नहीं है। यहां नया नलकूप का लगना जरूरी है। लोगों में इस बात को लेकर भी नाराजगी है कि बराबर जलकर की अदायगी के बावजूद उन्हें पानी नहीं मिल पा रहा है। जीवन के लिए आवश्यक समझी जाने वाली वस्तुओं में शुमार पानी की समस्या यहां के लोगों के लिए बड़ी परेशानी के साथ बीमारी का सबब भी बनी हुई है। समय रहते समाधान न किया गया तो आने वाले दिनों में तापमान बढ़ने पर समस्या और जटिल हो जाएगी साथ ही बीमारी फैलने का खतरा भी तेज हो जाएगा।

चोक सीवर लाइनें पैदा कर रही परेशानी

यहां चोक सीवर लाइन की समस्या से भी लोग परेशान रहते हैं। करीब दस वर्ष पूर्व

1. **नए नलकूप की स्थापना के अलावा लीकेज दूर करने से प्रेशर बढ़ सकता है।**
2. **क्षतिग्रस्त पाइप लाइनों का चिह्नित कर मरम्मत करना।**
3. **चोक सीवर लाइनों की सफाई कर सभी सीवर को मेन लाइन जोड़ा जाए।**
4. **स्ट्रीट लाइट की फ्यूज लाइटों को बदला जाए।**
5. **नियमित गश्त से अराजक तत्वों पर अंकुश लग सकेगा।**

बसी इस कॉलोनी में इस दौरान लोगों ने कभी सीवर की सफाई होते नहीं देखी। सीवर लाइनों के चोक होने से आए दिन गंदा पानी ओवर फ्लो कर लोगों के घर में घुस आता है। सप्ताह भर पूर्व कुछ लोगों के घर के सामने सीवरद का पानी आ जाने पर लोगों ने इसकी शिकायत जिम्मेदारों से की। कर्मचारी मौके पर आए और कहा कि अपनेर्ग्च पर काम कराद लें यही ठीक रहेगा। मजबूरी में लोगों को सीवर को मेल लाइन से जोड़ने के लिए स्वयं खर्च वहन करना पड़ा। लोगों की यह भी शिकायत है कि तमाम घरों को अभी तक सीवर लाइन से जोड़ा भी नहीं गया है।

नहीं हैं स्ट्रीट लाइटें, सड़कों पर अंधेरा

कॉलोनी में स्ट्रीट लाइट का अभाव है। स्ट्रीट लाइटों के न होने से शाम होते ही मार्ग अंधेरे में डूब जाते हैं। अंधेरे के कारण कॉलोनी की महिलाएं एवं बच्चे बाहर निकलने में कतराते हैं। चोर उच्चकों का खतरा भी बना रहता है। अंधेरे में अराजक तत्वों की सक्रियता भी बढ़ जाती है। स्ट्रीट लाइटें जले तो लोगों को काफी राहत मिल सकती है। इसकी लोग मांग भी करते आ रहे हैं लेकिन इस पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

पीने का पानी नहीं आता। आता भी है तो बहुत गंदा रहता है। उसमें बदबू आती है। जो पीने लायक नहीं रहता। इस समस्या से कई परिवार प्रभावित हैं।—मिलिंद द्विवेदी

घर में गंदे पानी की सप्लाई से बीमार होने की आशंका बनी हुई है। गर्मी के दिनों में पानी की जरूरत अधिक होती है। लोग पेयजल के लिये परेशान हो रहे हैं।—विक्रांत विश्वकर्मा

कई दिनों से नलों में इतना गंदा पानी आ रहा है कि लोग इसका इस्तेमाल करने में डरने लगे हैं। बिना उबाले पानी पिया नहीं जा सकता। मजबूरी में लोग पानी खरीद कर पी रहे हैं।—सजीम

पीने के पानी में बहुत बदबू रहती है। उसमें से दुर्गंध उठती है। जो कष्टकारी है। आसपास से या फिर खरीदकर पीने का पानी लाना पड़ता है।—श्रीगोपाल विश्वकर्मा

1. **लो प्रेशर के कारण पानी भूतल तक भी नहीं पहुंच पाता।**
2. **नलों से गंदा, मटमैला और दुर्गंध युक्त पानी आ रहा है।**
3. **सीवर लाइन चोक होने से घरों में गंदा पानी का घुसना।**
4. **स्ट्रीट लाइट न होने से मार्ग पर अंधेरा रहना।**
5. **अराजक तत्वों से असुरक्षा।**

पानी का प्रेशर इतना कम रहता है कि पंप लगाने पर भी नहीं आता है। अगर आ भी जाता है तो इतना गंदा रहता है कि उपयोग के लायक नहीं रहता।—सुधीर कुमार

घर में आ रहा पानी पीने के लायक नहीं है। बाजार से पानी की बोतलें खरीदकर लानी पड़ती है। तब जाकर लोग पानी पी पाते हैं। चोक सीवर भी बड़ी समस्या है।—देवेश शुक्ला

गंदे और बदबूदार पानी की घर में सप्लाई हो रही है। खाना बनाने और स्नान करने के लिये पड़ोस के घर से रोज जाकर पानी लाना पड़ता है।—अनीता तिवारी

सप्लाई हो रहे पानी में बदबू रहती है कि अगर उससे कपड़े धोए जाएं तो सूखने के बाद कपड़ों से बदबू आती है। पीने का पानी खरीदना पड़ता है।—मनीषा शुक्ला

बोतल में भरे पेयजल में गंदगी तैरती नजर आती है। इतनी बदबू रहती है कि पानी को प्रयोग में लाना मुश्किल होता है। आसपास से पीने का पानी लाना पड़ता है।—सरोज तिवारी

पेयजल की आपूर्ति का प्रेशर इतना लो रहता है कि कुछ देर पंप चलाने के बाद पानी आ पाता है। लेकिन पानी गंदा आता है। जिससे दुर्गंध उठती है।—आरती

कई घरों में गंदे पानी की सप्लाई हो रही है जो कि पीने लायक नहीं रहता। बाजार से पानी की बोतलें खरीदनी पड़ती हैं। जिसे खाना पकाने और पीने के लिए प्रयोग करते हैं।—रोशनी

गंदा पानी पीने से बच्चे को कुछ दिन पहले डायरिया हो गया था। पानी पीने योग्य नहीं है। यह समस्या कई घरों की है। जिसका समाधान जल्द होना चाहिए।—सरोज विश्वकर्मा

नलों में गंदा पानी आने से लोग पेट की बीमारी की चपेट में आते जा रहे हैं। इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो कॉलोनी में संक्रामक बीमारी फैलते देर नहीं लगेगी।—सरोज शर्मा

पड़ोस में जाकर पीने और खाना पकाने के लिए पानी लाना पड़ता है। तब जाकर घर का काम होता है। जिस पानी की सप्लाई घर में हो रही वह गंदा रहता है।—वानिषी

गर्मी के दिनों में पानी की जरूरत बढ़ जाती है। यहां पीने का पानी ही नहीं मिल रहा है। पीने और खाना पकाने के लिए साफ पानी लाना पड़ता है।—अंजू कुमारी

बाजार से पानी की बोतल खरीदकर लानी पड़ रही है। गंदा पानी पीने से बीमार होने की संभावना बनी हुई है। समस्या का निराकरण होना जरूरी है।—सुषमा विश्वकर्मा

कुछ घरों में सीवर चोक होने की समस्या है। उस पर कई दिनों से पीने का साफ पानी न मिलना लोगों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है।—आर्यन

घरों में गंदे पानी की समस्या है। इसका समाधान होना चाहिए। साफ पानी मिलना चाहिए ताकि सबकी परेशानी दूर हो सके।—सुधांशु पाठक

यदि कॉलोनियों में दूषित जलापूर्ति की समस्या है तो पता लगाकर शीघ्र समस्या का समाधान कर दिया जाएगा। जहां भी समस्या है लोग सम्पर्क करें तत्काल समाधान होगा।

सुनील कुमार शर्मा, अवर अभियंता, जल संस्थान

यह कॉलोनी हमारे अधिकार क्षेत्र में नहीं है लेकिन यदि समस्या है तो इसे गंभीरता से लेते हुए अपने स्तर से इसके निस्तारण का प्रयास किया जाएगा। —गुलाब पटेल, पार्षद, वार्ड 71

सोना बेचने वालों की भरमार, सर्राफा बाजार में कैश की किल्लत

प्रयागराज। सोने का दाम एक लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंचने के बाद सर्राफा बाजार में दो तस्वीरें देखने को मिल रही हैं। एक ओर जहां

सोने की खरीदारी में सुस्ती है, वहीं दूसरी ओर पुराने सोने की बिक्री तेजी से बढ़ी है। बाजार में पुराने गहने बेचने वालों की भीड़ लगने लगी है, जिससे कैश की किल्लत हो गई है। व्यापारी आपस में नगदी का जुगाड़ करने में लगे हैं। चौक जैसे प्रमुख बाजारों में पुराने सोने की खरीदारी करने वाले सर्राफा व्यापारियों के पास ग्राहकों की संख्या तेजी से बढ़ी है। वहीं, पारंपरिक ज्वेलरी दुकानों पर सहालग के बावजूद ग्राहक नदारद हैं।

इंडियन बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष दिनेश सिंह ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अस्थिरता और अमेरिकी टैरिफ नीति के चलते सोने के दाम में उछाल आया है। उनके अनुसार, यदि यही रुख बना रहा तो भाव और ऊपर जाएगा। प्रयागराज में इस कारण ज्वेलरी की खरीदारी करने वाले ग्राहक घटे हैं। दिनेश सिंह के मुताबिक, वर्तमान समय में जो ग्राहक बाजार आ रहे हैं, उनमें से 10 में से केवल दो से तीन ग्राहक ही नई ज्वेलरी खरीदने के लिए आते हैं, जबकि अन्य ग्राहक पुराना सोना बेचने के इरादे से पहुंच रहे हैं। एक स्थानीय सर्राफा व्यापारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया कि पुराने सोने का व्यापार करने वालों के पास इन दिनों खूब भीड़ है। जिनके पास पहले से नगदी उपलब्ध है, वे इस समय सोना डंप कर रहे हैं ताकि भविष्य में ज्यादा मुनाफा कमा सकें। इस धंधे में अधिकांश लेन–देन कैश में हो रहा है। ना तो जीएसटी की रसीद दी जा रही है, ना ही यह कारोबार ऑनलाइन हो रहा है। व्यापारियों को उम्मीद है कि सोने का भाव 1.25 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंचेगा, जिससे उन्हें लाखों का लाभ होगा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने के भाव में लगातार तेजी देखी जा रही है।

सोने का भाव घटा लेकिन बाजारों में सन्नाटा

10 ग्राम सोने का भाव एक लाख रुपये से अधिक 24 घंटे भी नहीं रहा। बुधवार को भाव कम हो गया। 2100 रुपये रेट कम होने के साथ सोने का भाव 98600 रुपये पहुंच गया। वहीं एक किलो चांदी 99000 रुपये पर पहुंच गई। इंडियन बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष दिनेश सिंह की मानें तो सोने का भाव कम होने के बाद भी बाजार में रौनक नहीं लौटी। अभी व्यापारी और ग्राहक भी परेशान हैं लेकिन सोने के भाव में स्थिरता नहीं आ रही है।

पहलगाम हत्याकांड के विरोध में निकला मोमबत्ती जुलूस, पाकिस्तान के खिलाफ फूटा आक्रोश

प्रयागराज। कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में 22 अप्रैल 2025 को हुए भीषण आतंकी हमले में निर्दोष हिंदू पर्यटकों की हत्या से पूरे देश में शोक और आक्रोश की लहर है। इसी क्रम में सुबेदारगंज स्थित पुष्प गंगा एग्जॉटिका के सैकड़ों निवासियों ने मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित की और आतंकवाद व पाकिस्तान के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। शेरवानी लिगसी परिसर में आयोजित इस जुलूस में पुरुषों, महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। सभी हाथों में मोमबत्तियां और विरोध स्वरूप बैनर लिए परिसर के एक छोर से दूसरे छोर तक नारे लगाते हुए निकले। आतंकवाद मुर्दाबाद, पाकिस्तान होश में आओ जैसे गगनभेदी नारों से वातावरण गूंज उठा। इस विरोध जुलूस में विनायक, नमन, तारा समेत अन्य समितियों के निवासी भी शामिल हुए। अंत में सभी प्रतिभागी पुष्प गंगा एग्जॉटिका के मुख्य द्वार पर एकत्र हुए, जहां वक्ताओं ने देश की एकजुटता पर बल दिया और केंद्र सरकार को हर संभव समर्थन देने की बात कही।

स्काउट–गाइड के जिला मुख्यायुक्त बने डीआईओएस

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश भारत स्काउट एवं गाइड के प्रदेश मुख्य आयुक्त प्रभात कुमार ने जिला विद्यालय निरीक्षक पीएन सिंह को प्रयागराज का मुख्य आयुक्त बनाया गया है। इस उपलब्धि पर डीआईओएस कार्यालय में गुरुवार को पीएन सिंह का अभिनंदन किया गया। भारत स्काउट एवं गाइड स्कूल के प्रबंधक कुबेर सिंह

ने प्रमाण पत्र देकर तथा जिला सचिव कमलेश द्विवेदी, जिला कमिश्नर गाइड डॉ. आकांक्षा केसरी, नोडल सुरेंद्र प्रताप सिंह व तीर्थराज पटेल ने पुष्प गुच्छ प्रदान कर अभिनंदन किया। नवनियुक्त जिला मुख्य आयुक्त ने सभी नोडल व स्काउट मास्टर /गाइड कैप्टन की समीक्षा बैठक की और शैक्षिक सत्र 2025–26 के लिए कैलेंडर बनाकर सभी गतिविधियां कराने के निर्देश दिए। उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सभी की प्रशंसा की और डॉ. आकांक्षा केसरी, सुरेंद्र प्रताप सिंह, तीर्थराज पटेल को जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मॉदड़ की ओर से मिले प्रशस्तिपत्र को प्रदान किया। इस अवसर पर सह जिला विद्यालय निरीक्षक अजय प्रताप सिंह, प्रभाकर त्रिपाठी, गायत्री यादव, सावित्री यादव, बीपी सिंह, नामवर पांडे, इरशाद अहमद, प्रिया कक्कड़, दर्शी श्रीवास्तव, प्रवीण सिंह, सोनू सिंह, आकांक्षा कुशवाहा आदि उपस्थित रहीं।

पहलगाम में आतंकी हमले के बाद सेंट्रल जेल नैनी में भी बढ़ी सुरक्षा

प्रयागराज। जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले से समूचा देश आक्रोशित है। उत्तर प्रदेश के नेपाल बार्डर पर जहां चौकसी बढ़ा दी गई है, वहीं केंद्रीय कारागार नैनी में भी सुरक्षा इंतजाम और सख्त कर दिए गए हैं। वर्तमान में नैनी सेंट्रल जेल में जम्मू कश्मीर के 11 आतंकी बंद हैं। इनकी चौबीस घंटे सर्विलांस के माध्यम से निगरानी की जा रही है। वहीं जेल प्रशासन ने इन पर नजर रखने के लिए विशेष चौकसी का भी इंतजाम किया है। हाई सिक्योरिटी जेल में जम्मू–कश्मीर के 11 आतंकवादी व अतीक अहमद के बेटे अली समेत साढ़े तीन हजार से अधिक अपराधी बंद हैं। जेल के अंदर बनी हाई सिक्योरिटी सेल के दो ब्लाक में 55 बंदियों को रखे जाने की क्षमता है। ब्लाक ए में 36 और ब्लाक बी में 19 बंदियों को रखने की क्षमता है। आतंकवादियों के कारण हाई सिक्योरिटी सेल की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

शहर समता विचार मंच (महिला) कानपुर इकाई की अप्रैल माह की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

कानपुर। शहर समता विचार मंच महिला गोष्ठी कानपुर इकाई की महिला काव्य गोष्ठी श्रद्धा श्रीवास्तव के संयोजन में तथा सीमा वर्णिका की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि रेखा श्रीवास्तव तथा विशिष्ट अतिथि डॉ सुषमा त्रिपाठी तथा डॉ सुषमा सेंगर रहीं। यह काव्य गोष्ठी दोपहर12.30 बजे से 2.00 बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही सीमा द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति सुनीता गुप्ता द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन श्रद्धा श्रीवास्तव ने किया। इस काव्य गोष्ठी में पूनम पांडे, ,सुनीता गुप्ता, सुषमा त्रिपाठी, रेखा श्रीवास्तव, सुषमा सेंगरश,हेमा पांडे, शिप्रा सिंह, योगिता सिंह शहंसाश, श्रद्धा श्रीवास्तव तथा सीमा वर्णिका ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चाँद लगा दियें। अध्यक्षीय सम्बोधन के बाद धन्यवाद ज्ञापन कानपुर इकाई की जिलाध्यक्ष सीमा वर्णिका ने किया।

माहेश्वरी महिला संगठन गोलाघाट शाखा द्वारा उड़ान एनजीओ को जरूरतमंद लोगों की सहायतार्थ सराहनीय सहयोग

गोलाघाट। माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा उड़ान एनजीओ में जरूरतमंद लोगों की सहायतार्थ.. उनके पहनने लायक कपड़े.. जैसे की साड़ी, कुर्ती, फ्रॉक,पैंट शर्ट ,टी–शर्ट , जैकेट, लेगीज, चादर , पिलो कवर,मच्छरदानी शाल,जूते चप्पल स्कूल बैग पढ़ने की सामग्रियां खाने की सामग्री बिस्किट आदि दिए गए। उड़ान एनजीओ की अध्यक्ष रिंकू तोदी व सदस्य पूनम मालपानी ,ममता

मालपानी व उससे जुड़ी सभी बहनों ने इस कार्य की भरपूर सराहना की और उन्होंने यह बताया कि हम जरूरतमंद लोगों को जाकर उनको यह सब सामान गांवों में वितरित किया जाता हैं। माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्षा विमला काबरा ,सचिव राधा बिनानी, सह सचिव मीतू चांडक, सलाहकारा रंजना बिनानी , ललिता चांडक, लहर बिनानी कुसुम बिनानी, मनीषा चांडक की उपस्थिति में यह कार्य बहुत ही सुचारू रूप से संपन्न हुआ। उड़ान एनजीओ 4 साल से इस्को चला रही है ,और बहुत ही सुचारू रूप से यह कार्य चल रहा है। उड़ान एनजीओ का हार्दिक–हार्दिक धन्यवाद एवं आभार देते हैं, जिन्होंने इतना सुंदर कार्य अपने हाथ में लिया हुआ है, और गरीब और जरूरतमंद लोगों की सहायता कर रहे हैं। इस तरह की संस्थाएं धन्यवाद की पात्र हैं।

सिविल सेवा परीक्षा में मेधावियों ने बढ़ाया जमुनापार का गौरव: डॉ. पाण्डेय

करछना। जमुनापार की माटी अतीत से ही सेनानियों, शहीदों, विद्वानों,लोककलाकारों की कर्मभूमि रही है। लोक सेवा आयोग सिविल परीक्षा में भारतीय प्रशासनिक सेवा के लिए चयनित मेधावियों ने जमुनापार की माटी का मान और गौरव बढ़ाया है।इसकी कितनी भी प्रशंसा की जाए कम होगी। यह बातें रामपुर में जमुनापार जागृति मिशन की एक बैठक के दौरान मिशन के संयोजक डॉ.भगवत पांडेय ने कही। उन्होंने संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु शक्ति दुबे के साथ साथ मेजा माण्डा के देवांश मोहन द्विवेदी,शंकरगढ़ के आलोक सिंह, करछना के विवेक शुक्ला को ढेरों बधाइयां देते हुए परीक्षा में सफलता प्राप्त करने और जमुनापार की माटी का नाम रोशन करने के लिए उनकी सराहना की। इसी क्रम में अपने ननिहाल रामपुर करछना में रहकर प्रारंभिक शिक्षा ग्रहण किये गंगापार के रहने वाले शिवांक तिवारी को भी सिविल सेवा परीक्षा में चयनित होने हेतु लोगों ने खुशी का इजहार किया।लोगों ने कहा कि अपनी कड़ी मेहनत लगन और दृढ़ संकल्प से यह बड़ी सफलता अर्जित कर मेधावी बच्चों ने अपने क्षेत्र,यमुनापार और देश का नाम रोशन किया है। मिशन के लोगों ने खुशी का इजहार करते हुए कहा कि इससे और भी मेधावी बच्चे प्रेरित होंगे साथ ही साथ यमुना पार में ऐसी परीक्षाओं के प्रति तैयारी कर रहे और भी बच्चों में गहरी अभिरुचि बढ़ेगी। इस दौरान क्षेत्र के कई प्रबुद्ध जन समाजसेवी और मिशन के लोग मौजूद रहे।

बसंत शिक्षा सदन इंटर कॉलेज के छात्र–छात्राओं का परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन

मीरापुर। बसंत शिक्षा सदन इंटर कॉलेज मीरापुर मुज़फ़्फ़रनगर के छात्र–छात्राओं ने परिषदीय परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया ।विद्यालय में हाईस्कूल का परीक्षा परिणाम 95:तथा इंटर का परीक्षा परिणाम 88: रहा।हाईस्कूल में अक्षय90: ,प्रतीक्षा पाल 86.26:एवं आरती कपासिया 84.66:तथा इंटर में सोफ़िया 74.06:तनु कपासिया 73:एवं शारा ख़ान72.08: ने क्रमशः प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया घ्इस अवसर पर विद्यालय प्रधानाचार्य ने सभी छात्र–छात्राओं को आशीर्वाद प्रदान किया।

कांग्रेस ने इंदिरा इज इंडिया, इंडिया इज इंदिरा जैसे नारे दिए: मौर्य

–कांग्रेस, सपा पर हमलावर रहे उप मुख्यमंत्री, बसपा को पूरी तरह बख्शा

मथुरा। संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती के अवसर पर बृज कला केन्द्र ऑडिटोरियम, मसानी तिराहा, मथुरा स्थित चमेली देवी स्कूल के सामने भाजपा महानगर द्वारा भव्य सम्मान गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा महानगर जिलाध्यक्ष हरीशंकर श्राजूश् यादव ने की, जबकि संयोजन पर्व महापौर डॉ. मुकेश आर्य बंधु द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा साहब अंबेडकर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर दीप प्रज्वलन और पुष्प अर्पित कर किया गया। गोष्ठी में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष देवेश कोरी समेत अनेक जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गोष्ठी को संबोधित करते हुए विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने आपातकाल लगाकर लोकतंत्र का गला घोंटा और इंदिरा इज इंडिया, इंडिया इज इंदिरा जैसे नारे दिए। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस ने अपने स्वार्थ के लिए संविधान में 70 बार संशोधन किए, जबकि भाजपा ने केवल 8 बार संशोधन किए हैं, वह भी गरीबों, महिलाओं और वंचित वर्गों के अधिकार सुनिश्चित करने के लिए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस

और सपा की नीतियाँ हमेशा दलित विरोधी रही हैं। कांग्रेस चाहती थी कि केवल चार आने कर देने वाला, मैट्रिक पास, बुलेट मोटरसाइकिल और डबल बैरल बंदूक रखने वाला ही चुनाव लड़ सके और वोट डाल सके, लेकिन बाबा साहब ने ऐसी सोच का पुरजोर विरोध किया और हर नागरिक को समान मताधिकार दिलाया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा ही सच्चे अर्थों में बाबा साहब के विचारों को आगे बढ़ा रही है। प्रदेश उपाध्यक्ष देवेश कोरी ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा साहब अंबेडकर ने सामाजिक न्याय की जो मशाल जलाई थी, उसे आज भाजपा ने सच्चे अर्थों में आगे बढ़ाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़े वर्ग के अधिकारों की रक्षा के लिए अनेक ठोस कदम उठाए हैं। विधायक पूरन प्रकाश ने कहा कि आज अनपढ़, महिला, बुजुर्ग और युवा को वोट देने का अधिकार है तो वह बाबा साहब की देन है। वहीं उन्होंने समाजवादी पार्टी पर सरकारी नौकरी में पदोन्नति में आरक्षण का विरोध करने का आरोप लगाया। गोष्ठी के अंत में भाजपा महानगर अध्यक्ष हरीशंकर श्राजूश् यादव ने कहा कि भाजपा ही एकमात्र पार्टी है, जहां एक सामान्य कार्यकर्ता भी शीर्ष पद तक पहुंच सकता है। उन्होंने द्रौपदी मुर्मू का उदाहरण देते हुए कहा कि एक आदिवासी महिला को राष्ट्रपति बनाना भाजपा की सोच को दर्शाता है। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह, महापौर विनोद अग्रवाल, एमएलसी ओम प्रकाश सिंह, पूर्व मंत्री रविकांत गर्ग, विधायक मेघश्याम ठाकुर, राज्य बाल संरक्षण आयोग अध्यक्ष देवेंद्र शर्मा, पूर्व महानगर अध्यक्ष चेतन स्वरूप पाराशर संजय शर्मा रामकिशन पाठक हरिओम शर्मा अंकुर अग्रवाल प्रमोद बंसल ज्ञानेंद्र राणा मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा दीपक गोला नितिन चतुर्वेदी बादल शर्मा लोकेश तायल सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

आधारशिला राष्ट्रीय नाटक महोत्सव का आज तीसरा दिन

प्रयागराज। आधारशिला प्रयागराज द्वारा आयोजित 15वां (पांच दिवसीय) राष्ट्रीय नाटक महोत्सव– 2025 दिनांक 23 अप्रैल 2025 से दिनांक 27 अप्रैल 2025 तक स्थानीय परीक्षा ग्रह रविंद्रालय गोल्डन जुबली स्कूल परिसर जज टाउन प्रयागराज में दिनांक 25 अप्रैल को मुख्य अतिथि श्री केपी श्रीवास्तव सदस्य विधानसभा परिषद उत्तर प्रदेश सरकार एवं अध्यक्षता प्रसिद्ध समाज सेवी कुमार नारायण ने की इस अवसर पर संस्था द्वारा सुश्री सुषमा शर्मा को रंग कर्म के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हेतु संस्था आधारशिला द्वारा सम्मानित किया गया तत्पश्चात भाव राज ताल नाट्य अकादमी पिथौरागढ़ उत्तराखंड की प्रस्तुति षधैनष्का मंचन किया गया नाटक में दर्शाया गया कि बाघैन नमक चर्चित कहानी पहाड़ी परिवेश पर आधारित है नाटक का मुख्य पात्र आनंद सिंह है जो एक रिटायर्ड आर्मी का सिपाही है अपनी मिट्टी से आनंद सिंह को बेपनाह मोहब्बत है साथ ही वह कर्तव्य परायण आत्मनिर्भर नियमों कानून का पक्का जिम्मेदार और कर्मठ बुजुर्ग है आनंद सिंह मल्लासेरा के एक गांव में रहता है जहां उसके सिवा उसके साथ एक कुत्ता रहता है शेर नाम का कुत्ता उसके लिए एक कुत्ता ही नहीं बल्कि उसके सुख–दुख सुनने वाला साथी और दोस्त है जिसे

सूबेदार सारी बातें कहता है इन दोनों के अलावा उसे गांव में कोई नहीं रहता क्योंकि उसे गांव के लोगों का पलायन हो चुका है नाटक पहाड़ की में रह रहे आनंद सिंह पर केंद्रित है आनंद सिंह की यादों में उसकी पत्नी और उसके गांव के पुराने साथी हमेशा आ जाते रहते हैं नाटक फ्लैशबैक के ताने बाने में आगे की ओर बढ़ता है एक बार आनंद सिंह की बेटी अपने पिता से मिलने आती है मां के न होने पर वह आनंद सिंह से शहर आने का प्रबल आग्रह करती है बेटी द्वारा आगरा करने पर आनंद सिंह मजबूरन मान जाते हैं और कुछ दिन शहर जाने के लिए तैयार हो जाता है किंतु किसी कारणवश या संभव नहीं हो पता बेटी और पिता का रिश्ता नाटक में मार्मिक पूर्ण स्थिति उत्पन्न करता है नाटक विकास के मॉडल के प्रश्न चिन्हित करने के साथ–साथ बुजुर्ग पीढ़ी के अपने मिट्टी से लगाओ और नई पीढ़ी को अपनी मिट्टी को छोड़ने की व्यवस्था को जीवन और मां स्पर्शी ढंग से दिखता है सारा नाटक की सभी स्त्री पात्र

सवालों को रेखांकित करता नाटक का अंत हमारे मानवीय संवेदनाओं को प्रश्नआंकित तथा नई उम्मीद के साथ समाप्त हो जाता है।

नाटक के मुख्य पात्र की भूमिका में– दीपक मंडल (आनंद सिंह) गोविंदी की भूमिका में प्रीति रावत लक्ष्मी की भूमिका में तनुजा गोस्वामी शोबन सिंह की भूमिका में सुनील उत्प्रेती, जानकी की भूमिका में सपना राजू की भूमिका में राजेश सामंत लक्ष्मण सिंह की भूमिका में सुनील उत्प्रेती संदीप सिंह सैंडी की भूमिका में अभिषेक पटेल लखिया की भूमिका में मुकेश कुमार, कहानी– नवीन जोशी एवं नाट्य रूपांतरण– प्रीति रावत

संगीत– शुभम कुमार, ढोलक– धीरज कुमार, संगीत संचालन– कैलाश कुमार

नाटक का निर्देशन– (संगीत नाटक अकादमी) नई दिल्ली से पुरस्कृत श्री कैलाश कुमार जी के द्वारा किया गया

स्वागत एवं मंच संचालन अजय केशरी एवं धन्यवाद ज्ञापन संस्था अध्यक्ष रमाकांत शर्मा द्वारा किया गया।

उद्योग बन्धु की बैठक नई समस्याएं वही, व्यापारियों ने रोया दुखड़ा

–मुख्य विकास अधिकारी मीन्स मीणा की अध्यक्षता में हुई बैठक

मथुरा। कलेक्ट्रेट सभागार मथुरा में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में जिला उद्योग बन्धु, जिला स्तरीय एमओयू मॉनिटरिंग समिति, सी.एस.आर. समिति एवं कौशल विकास मिशन की प्रगति समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई बैठक में उपस्थिति उद्यमियों द्वारा औद्योगिक क्षेत्रों में व्याप्त समस्याओं औद्योगिक क्षेत्रों में सफाई एव जल निकासी की समस्या, गौर उद्योग केन्द्र में सीईटीपी की स्थापना कराये जाने, औद्योगिक इकाइयों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति प्रदान किये जाने, औद्योगिक क्षेत्रों में चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाये जाने हेतु पुलिस गश्त की व्यवस्था आदि समस्याओं के निदान हेतु अनुरोध किया गया जिस पर अध्यक्ष महोदय द्वारा बैठक में उपस्थिति पुलिस प्रशासन के प्रतिनिधि को औद्योगिक क्षेत्रों में पुलिस गश्त बढ़ाए जाने, नगर निगम के अधिकारियों को औद्योगिक क्षेत्रों में नियमित सफाई कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया। यूपीसीडा द्वारा विकसित औद्योगिक क्षेत्रों में उद्यमियों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु यूपीसीडा के अधिकारियों को निर्देशित किया गया। गौर उद्योग केन्द्र में सीईटीपी की स्थापना हेतु वर्तमान में उपलब्ध भूमि के अनुसार प्रस्ताव तैयार करने हेतु बैठक में उपस्थित यूपीपीसीबी के प्रतिनिधि को निर्देशित किया गया। बैठक में औद्योगिक क्षेत्र साईट–ए में अवैध कब्जों को हटाये जाने हेतु यूपीसीडा को निर्देशित किया गया। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा उद्योग विभाग द्वारा संचालित विभिन्न ऋण योजनाओं जैसे पीएमईजीपी, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, ओडीओपी वित्त पोषण योजना तथा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना की गहनता से समीक्षा की गई। जिसमें जनपद के लिए निर्धारित लक्ष्यों के सापेक्ष अपेक्षाकृत प्रगति न होने के कारण काफी प्रसन्नता व्यक्त की गयी और अग्रणी बैंक प्रबंधक तथा समस्त बैंकों के जिला समन्वयकों को समस्त योजनाओं में 15 दिन के अन्दर आवेदन पत्रों को निस्तारित करते हुये जनपद हेतु निर्धारित लक्ष्यों को पूर्ण किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। जनपद में निवेश हेतु प्राप्त निवेश प्रस्तावों की समीक्षा के दौरान निवेशकों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित विभागों के अधिकारियों को समस्याओं के निराकरण कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया । सी.एस.आर. मॉनिटरिंग समिति की समीक्षा बैठक में मुख्य विकास अधिकारी महोदय द्वारा सी.एस.आर. में आच्छादित समस्त इकाइयों को विगत वर्षों में कराये गये कार्यों का सम्पूर्ण विवरण 15 दिन में उपलब्ध कराये जाने तथा वर्तमान वित्तीय वर्ष में प्राविधानित धनराशि एवं कराये जाने वाले कार्यों का विवरण उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिये गये। बैठक में उपायुक्त उद्योग, उपायुक्त वाणिज्य कर, अपर नगर आयुक्त नगर निगम मथुरा वृन्दावन, नोडल अधिकारी विद्युत विभाग, यूपीसीडा एवं यूपीपीसीबी के प्रतिनिधि, जिला अग्रणी बैंक प्रबन्धक एवं समस्त बैंकों के जिला समन्वयक, एन.एच.ए.आई के प्रतिनिधि, गैल गैस लिमिटेड के प्रतिनिधि, विभिन्न औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

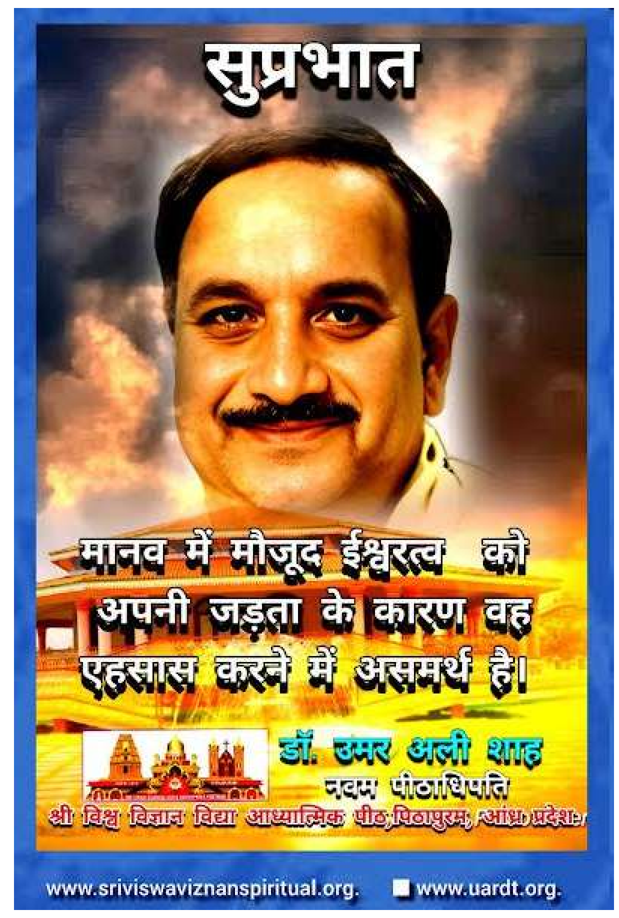

ढल जाएगी शाम

(कुण्डलिया)

विज्ञानी अनभिज्ञ हैं,होगा क्या अन्जाम।
कब कैसे किस वक्त, ढल जाएगी शाम।
ढल जाएगी शाम,किसी को ख़बर न होगी।
सबकुछ होगा पास,नहीं होंगे सहयोगी।
सुन लो कहे प्रदीप,न समझो इसे कहानी।
इस रहस्य को आज,ढूँढते हैं विज्ञानी।।

मिलता है इतिहास में,ठहरा हुआ अतीत।
जीवन के पन्ने पलट,गाता मंगलगीत।
गाता मंगलगीत, बताता है वह बातें।
कहाँ मिली थी भोर,कहाँ गुजरी थीं रातें।
सुन लो कहें प्रदीप,वक्त ही सबकुछ भरता।
जिसने समझी बात,उसे ही सबकुछ मिलता।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

सैन समाज ने मनाई संत शिरोमणि सैन जी महाराज की जयंती

मुजफ्फरनगर। युवा सैन(नाई) समाज मुजफ्फरनगर उत्तर प्रदेश के तत्वाधान में संत शिरोमणि सैन जी महाराज जी की 725 वी जयंती बड़े हर्षोल्लास व धूमधाम के साथ बैशाख कृष्ण पक्ष द्वादशी को सैन मार्ग विश्वकर्मा चौक भोपा रोड निकट शमशान

घाट दक्षिण नई मंडी मुजफ्फरनगर उत्तर प्रदेश में बनाई गई जिसमें सैन समाज दुवारा भव्य भंडारे व जयंती मे आये अथितियो और पत्रकार बंधुओ का पटका पहनाकार समान किया गया नगर पालिका अध्यक्ष पति को ज्ञापन देते हुए कहा की सैन समाज से दो मनोनीत सभासद व सैनमार्ग का सौंदरियकरण करने का जो आप ने वादा किया था उसे पुरा करे देरी होने के कारण सैन समाज ठगा सा महसूस कर रहा है वही पहलगाम मे मरे लोगो के लिये मौन रखकर दिवंगतो की आत्मा शांति के लिये प्रथांना की इस आयोजन मुख्य रूप से विकास सैन, अनुज सैन, नीरज सैन, देवी देवी प्रसाद, सूर्यांश त्यागी, विशाल सैन, अखिलेश सैन, अंश ठाकुर,बबली सैन, सतीश सेन उमाशंकर सैन लोग मौजूद रहे।

यूपी बोर्ड का हाईस्कूल व इंटरमीडिएट का परीक्षाफल घोषित

मोरना। यूपी बोर्ड का हाईस्कूल व इंटरमीडिएट का परीक्षाफल शुक्रवार को घोषित किया गया, जिसमें कॉलेज के छात्र छात्राओं ने कॉलेज व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। परीक्षाफल से कॉलेज स्टाफ सहित अभिभावकों के चेहरे खिल उठे। मेधावी छात्र छात्राओं को गणमान्यों ने बधाई व शुभकामनाएं दी हैं। जनता इंटर कॉलेज भोपा की हाईस्कूल की छात्रा साक्षी सैनी ने 92.67 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले में तीसरा स्थान व स्वामी ओमानन्द इंटर कॉलेज बेहडा सादात की इंटरमीडिएट की छात्रा पिंकी ने 88.80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले में पांचवां स्थान प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। वहीं जनता इंटर कॉलेज के इंटरमीडिएट की छात्रा श्वेता ने 87.4, विशु बहल ने 83.4 व शगुन ने 80.2 प्रतिशत तथा हाइस्कूल में वंश ने 87.16, कृष ने 85.5, विवेक कुमार ने 84.33, विशु ने 82.66, शेखर ने 81.33 प्रतिशत अंक प्राप्त कर कॉलेज के टॉपर बने। महर्षि शुकदेव इंटर कॉलेज मोरना में हाईस्कूल के छात्र हर्षित ने 83.66, खुशी ने 81.50 व सृष्टि ने 81.16 प्रतिशत व इंटरमीडिएट की छात्रा इशिका शर्मा ने 80.4, तनु ने 79 व खुशी ने 78.6 प्रतिशत अंक प्राप्त किये।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने (प्रतिभा श्रीवास्तव) 1995 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय से स्नातक उपाधि प्राप्त किया है। मेरा माइग्रेसन सर्टिफिकेट वास्तव में खो गया है।
प्रतिभा श्रीवास्तव, पुत्री हरिशंकर लाल श्रीवास्तव
निवासी मकान नंबर 240, शंकर कालोनी. दारागंज, इलाहाबाद

सम्पादकीय.......

पहलगाम के बाद

पहलगाम का आतंकी हमला हताशा में किया गया एक ऐसा कुकृत्य है, जिस पर हमेशा की तरह सुई पाकिस्तान की तरफ घूमती है। खुद आतंकवाद का दंश झेल रहा एक देश सरकारी और तैयार आतंकियों के जरिये भारत को बार–बार गहरे जख्म देने की नापाक नीति पर चल रहा है। पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित लश्कर–ए–तैयबा के एक संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने पर्यटकों पर हुए इस कायरतापूर्ण हमले की जिम्मेदारी ली है। इस दुखद घटना ने वर्ष 2008 में दुस्साहसपूर्ण ढंग से मुंबई और भारत को हिलाकर रख देने वाले लश्कर–ए–तैयबा द्वारा रचे गए नरसंहार की याद दिला दी है। यह महज संयोग नहीं कि यह हमला 26ध्11 के आरोपी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण और पाक सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के भारत विरोधी बयान के बीच हुआ है। मुनीर ने पिछले हफ्ते ही कश्मीर को अपने देश की 'गले की नस' बताकर 22 अप्रैल के हमले की भयावहता की जमीन तैयार कर दी थी। एक ओर जहां बलूच विद्रोह ने मुनीर व सेना की नींद उड़ा रखी है, वहीं उन्होंने दो–राष्ट्र सिद्धांत को उछालना चुना। दावा किया कि हिंदुओं व मुसलमानों में कोई समानता नहीं है। गैर मुस्लिमों को निशाना बनाना और वह भी अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी.वेंस की भारत यात्रा के दौरान– यह स्पष्ट करता है कि आतंकवादियों व उनके आकाओं ने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार को चुनौती दे दी है। पाक ने पर्यटकों की मौत पर शोक व्यक्त करने का प्रपंच तो रचा, लेकिन हमले की निंदा करने से परहेज किया। उरी(2016) और पुलवामा (2019) की तरह क्या पहलगाम हत्याकांड भी ऐसी प्रतिक्रिया को जन्म देगा? मोदी सरकार, क्या पाकिस्तान को फिर से सबक सिखाने के लिये भारी दबाव में है? वैसे कूटनीतिक मोर्चे पर, भारत के लिये अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में इस्लामाबाद को बेनकाब और शर्मिंदा करने का एक बड़ा अवसर है। पहलगाम जांच के नतीजों और राणा से पूछताछ से भारत के इस रुख की पुष्टि होने की उम्मीद है कि पाकिस्तान आज भी आतंकवाद का केंद्र बना हुआ है। बहरहाल, पहलगाम के बैसरन में पाक पोषित आतंकियों ने जो खूनी खेल खेला, उसने पूरे देश को झकझोरा है। सैर–सपाटे के लिये गए लोगों को मौत मिलेगी, ऐसी किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। लेकिन एक हकीकत है कि देश–विदेश के 26 पर्यटक आतंकियों की गोली के शिकार हुए। हमले ने शेष देश के साथ कश्मीर की आत्मा को भी झकझोरा है। यह त्रासदी सिर्फ जम्मू–कश्मीर की ही नहीं है, बल्कि इस हमले ने पूरे देश को गहरा जख्म दिया है। उल्लेखनीय तथ्य यह है कि इस पीड़ादायक हादसे के बाद घाटी के लोगों ने हमले की एकजुट होकर निंदा की गई है। घाटी में 35 साल बाद पहली बार आतंकी हमले के खिलाफ बंद का आयोजन किया गया है। बुधवार को बंद के आह्वान के बाद श्रीनगर में अधिकांश व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। लोग सड़कों में दुख और आक्रोश व्यक्त करते नजर आए। कहा कि यह घटना कश्मीर की अतिथि और शांति की भावना के साथ विश्वासघात है। लश्करे–ए–तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन के इस हमले का मकसद पर्यटकों में खौफ पैदा करना और घाटी में सामान्य स्थिति की वापसी को रोकना था। यहां उल्लेखनीय है कि बीते साल जम्मू–कश्मीर में पैंतीस लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे थे। लेकिन पहलगाम जैसी जगह में जहां सत्तर फीसदी लोगों की आजीविका पर्यटन से जुड़ी है, वहां स्थिति सामान्य होने में अब लंबा वक्त लगेगा। आने वाले दिनों के लिये पर्यटकों ने अपनी यात्राएं रद्द कर दी हैं। बहरहाल, इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद केंद्र सरकार ने युद्धस्तर पर कार्रवाई की है। प्रधानमंत्री मोदी अपनी विदेश यात्रा को बीच में ही रोककर भारत लौटे हैं। गृहमंत्री अमित शाह ने भी घाटी पहुंचकर तत्काल जमीनी स्थितियों का आकलन होने तक पूरी सरकारी मशीनरी की ताकत झोंक दी है। तात्कालिक प्रतिक्रिया के तौर पर इस संवेदनशील क्षेत्र की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हमलावरों को यथाशीघ्र को कड़ा जवाब दिया जाएगा। लेकिन अधिकारियों को घाटी की उन आवाजों को भी बुलंद करना चाहिए जिन्होंने हिंसा को खारिज करके मानवता को चुना है।

पहलगाम हमला: संशय के बादल

डॉ. दीपक पाचपोर

शाह के दावे के अनुसार अब नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चल रही भारतीय जनता पार्टी की सरकार की आतंक के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति से यहां सीमा पार से निर्देशित कार्रवाइयां ठहर गयी हैं।

कश्मीर के सुप्रसिद्ध पर्यटन स्थल पहलगाम के बैसरन घाटी में मंगलवार को हुए आतंकी हमले में 27 लोगों की जान जाने का अफसोस पूरा देश मना रहा है, तो वहीं इस दर्दनाक घटना को लेकर हिन्दू–मुस्लिम की नयी लहर दौड़ पड़ी है। दोपहर तकरीबन ढाई बजे कई आतंकियों द्वारा उस वक्त अंधाधुंध फायरिंग की गयी जब एक बेहद खुशगवार मौसम में भारत के अलग–अलग हिस्सों से आये सैलानी प्रकृति का लुत्फ ले रहे थे। इनमें नवविवाहित जोड़े, सपरिवार या मित्रों के साथ आये लोग थे। गर्मी की छुट्टियों में इस हसीन वादी में लाखों पर्यटक आने लगे हैं। 2019 में हुए पुलवामा हमले के बाद इसे सबसे बड़ा आतंकी हमला माना जा रहा है जिसने सरकार के इस दावे को चंद मिनटों में झुठला दिया कि 2016 की नोटबन्दी तथा 5 अगस्त, 2019 को जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के बाद यहां से आतंकवाद की समाप्ति हो गयी है। कुछ दिनों पहले संसद में भी केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दावा किया था कि पहले यानी कांग्रेस के शासनकाल में कश्मीर कोई जाता नहीं था क्योंकि वहां होने वाले हमले के खिलाफ तत्कालीन सरकार कोई कार्रवाई नहीं करती थी। शाह के दावे के अनुसार अब नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चल रही भारतीय जनता पार्टी की सरकार की आतंक के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति से यहां सीमा पार से निर्देशित कार्रवाइयां ठहर गयी हैं। इतना ही नहीं, जिस प्रकार से इस घटना को लेकर भाजपा तथा उनके समर्थकों की ओर से विमर्श चलाया जा रहा है, वह बतला रहा है कि इस घटना का भाजपा राजनीतिक लाभ लेने की तैयारियां कर चुकी है। गहन संदेह व्यक्त किये जा रहे हैं कि वक्फ कानून को सुप्रीम कोर्ट में मिल रही चुनौती से भाजपा को ध्रुवीकरण के उसके जाने–पहचाने खेल में मात न मिल जाये, इसके लिये वह कश्मीर के इस हमले को अगले साल बिहार और फिर पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनावों में वैसे ही भुनाएगी, जैसी वह पुलवामा हमले का लाभ 2019 के आम चुनाव में यह कहकर उठा चुकी है, कि क्या पहली बार के वोटर पुलवामा के शहीदों के नाम अपना मत भाजपा को देंगे? कहा जाता है कि बालाकोट के साथ पुलवामा पर हुए हमले का असर मतदाताओं, खासकर युवाओं पर इस कदर पड़ा था कि भाजपा को अपने दम 303 सीटें मिल गयी थीं जो पूर्ण बहुमत के 272 से कई सीटें अधिक थीं। असलियत यह बताई जाती थी कि यदि यह मुद्दा भाजपा के हाथ न लगता तो उसे यह संख्या मिलनी मुमकिन नहीं थी। याद हो कि पुलवामा हमले को लेकर आज भी संशय बना हुआ है कि राष्ट्रपति शासन के तहत रखे गये राज्य में इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक (आरडीएक्स) कहां से आया था जिससे सेना के 40 जवान शहीद हो गये जो वाहनों में जा रहे थे। तत्कालीन जम्मू–कश्मीर राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने देशबन्धु के चौनल डीबी लाइव पर यह खुलासा किया था कि यह बहुत बड़ी सुरक्षा चूक थी। श्रीनगर से वाहनों का इतना बड़ा काफिला बगैर रास्तों को सुरक्षित किये, जिसे तकनीकी शब्दावली में सेनिटाइज करना कहते हैं, कैसे ले जाया गया। उस वक्त प्रधानमंत्री जिम कार्बेट नेशनल पार्क (उत्तराखंड) के घने जंगलों में एक विदेशी फिल्म निर्माता के साथ शूटिंग में व्यस्त थे जिनसे सम्पर्क करना सम्भव नहीं हुआ था। शाम को जब मलिक ने मोदी से कहा कि सुरक्षा सम्बन्धी चूक है तो बकौल मलिक प्रधानमंत्री ने इसे अलग तरह का मामला बताते हुए खामोशी बरतने को कहा था। आज तक इस हमले की न तो ठीक से जांच हो सकी है और न ही हमलावरों की गिरफ्तारी तो दूर उनकी शिनाख्त तक हुई है। बैसरन घाटी पर हमला इसलिये शंका उत्पन्न कर रहा है क्योंकि रिपोर्ट के मुताबिक उस वक्त वहां 2000 से अधिक पर्यटक मौजूद थे लेकिन उनकी सुरक्षा के लिये एक भी जवान तैनात नहीं था। इसके अलावा भी बहुत सी बातें हैं जो इस ओर इशारा करती हैं कि सरकार ही नहीं, उसका समर्थक मीडिया भी घटना को तोड़–मरोड़कर भाजपा के पक्ष में पेश कर रहा है। एक बड़े टीवी चौनल के श्रीनगर स्थित संवाददाता ने जैसे ही कहा कि श्सुरक्षा सम्बन्धी बड़ी चूक के चलते यह हादसा हुआ हैश, एंकर ने उसकी बात को काटकर यह बताना शुरू कर दिया कि गोली चालन में दो विदेशी नागरिक भी मारे गये हैं (जबकि यह बात पहले ही सामने आ चुकी थी)। इस बड़ी खुफिया व सुरक्षा नाकामी पर सरकार से सवाल करने की बजाय गोदी मीडिया मोदी के महिमा मंडन में लगा है। बताया जा रहा है कि कैसे अब मोदी बड़ी कार्रवाई करेंगे, पाकिस्तान में भगदड़ मची है, आदि। शाह रात को श्रीनगर तथा बुधवार को घटना स्थल पर गये। सऊदी अरब का दौरा अधूरा छोड़कर मोदी लौट आये और उन्होंने दिल्ली हवाईअड्डे पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर, सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ बैठक की। इस घटना पर इसलिये भी लोगों को संदेह है कि घटना के कुछ ही देर बाद छत्तीसगढ़ भाजपा ने एआई निर्मित एक पोस्टर जारी किया जिसमें एक महिला अपने पति के शव के पास बैठी है और लिखा गया है–जाति नहीं धर्म पूछा। यह संदेश दिया जा रहा है कि हिन्दू होने के नाते वे मारे गये। साथ ही विपक्ष द्वारा जातिगत जनगणना पर भी प्रहार किया गया है। देश भर में भाजपा समर्थकों ने एक तरह से इसे अभियान की तरह सोशल मीडिया पर वायरल किया है जो बतलाता है कि इतनी संवेदनशील घटना को भी भाजपा आपदा में अवसर की तरह इस्तेमाल करेगी ताकि यह सवाल किसी को सुनाई न दे कि सुरक्षा सम्बन्धी इस गम्भीर चूक का जिम्मेदार कौन है और क्या पुलवामा की ही तरह पहलगाम हमला रहस्य बनकर रह जायेगा?

नानी की अगर मानें तो भेड़िया जिंदा है

सर्वमित्रा सुरजन

देश एक बार फिर लहूलुहान हुआ है और एक बार फिर लोग तमाशाई की भूमिका में आ गए हैं। 26 नवंबर 2008 को मुंबई पर किया गया हमला याद कीजिए, जिसे अक्सर 9ध्11 की तर्ज पर 26/11 कहा जाता है। हालांकि अमेरिका की तर्ज पर चलना था तो फिर 11/26 कहना चाहिए था, खैर महीना पहले आया या तारीख पहले आई, ये बात कोई मायने नहीं रखती और ये केवल एक दिन का नहीं बल्कि तीन दिनों का हमला था, जिसमें मुंबई के कई जाने–माने स्थलों को आतंकियों ने अपने निशाने पर लिया था। कई जांबाज पुलिस और सैन्य अधिकारियों ने आतंकियों को खत्म करने में अपनी शहादत दी थी, हालांकि फिर भी डेढ़ सौ से अधिक लोग मारे गए थे। तीन दिनों तक चले इस खूनी खेल में कई पत्रकार लाइव कवरेज के लिए पहुंच गए थे और कुछ तो ऐसे थे जिनकी तथाकथित जांबाज रिपोर्टिंग के कारण आतंकियों को खबर होती रही कि सुरक्षा बल कहां–कहां से उन्हें पकड़ने के लिए रास्ता बना रहे हैं। इस दौरान गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी भी फौरन मुंबई पहुंच गए थे, क्योंकि उन्हें तब सत्तारुढ़ कांग्रेस को घेरने और सवाल पूछने का अच्छा मौका मिला था। आपदा में अवसर तलाशने की आदत काफी पुरानी मानी जा सकती है। और उस समय कई लोग हमलाग्रस्त इलाकों के आसपास की छतों पर चढ़कर ये देखने में जुटे थे कि कैसे आतंकियों को पकड़ने की कोशिश की जा रही है। हर साल दशहरे पर हम भारतीय रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतले को जलते देखने के लिए जैसे जुटते हैं, कमोबेश उसी तर्ज पर 2008 में लोग जुट गए थे। 2008 के इस हमले को कांग्रेस सरकार की बड़ी विफलता के तौर पर आज तक पेश किया जाता है, इसमें कुछ गलत नहीं है। अगर सुरक्षा एजेंसियां समुद्री मार्ग से आने वाले आतंकियों की जानकारी नहीं रख पाईं और एक नहीं कई जगहों पर एक साथ हमले करने के बावजूद आतंकियों को फौरन नहीं पकड़ा जा सका, तो यह निश्चित ही विफलता है। ठीक ऐसी ही विफलता 2019 के पुलवामा हमले में भी हुई और अब 2025 के पहलगाम हमले में भी नजर आई है। लेकिन अब मीडिया उस तरह से सरकार की नाकामियों की चर्चा नहीं करता है। और लोगों का एक बड़ा वर्ग भी तमाशाई की भूमिका में इस तरह आ गया है कि वह आतंकी हमले की आड़ में फैलाए जा रहे हिंदू–मुस्लिम नैरेटिव पर तो अपनी प्रतिक्रिया दे रहा है और भाजपा की तरह पूछ रहा है कि लोगों को मारने से पहले धर्म पूछा, जाति नहीं। यानी कांग्रेस और इंडिया गठबंधन जो जाति जनगणना की मांग कर रहे हैं, उसका जवाब देने के लिए यही मौका भाजपा को मिला है। मीडिया के बनाए नैरेटिव में फंसे लोग यह क्यों नहीं देख रहे कि आतंकी हमले के फौरन बाद पीड़ितों की मदद के लिए आगे आए लोगों में हिंदू भी थे और मुसलमान भी, जो इन दोनों धर्मों की पहचान से पहले खुद को कश्मीरी मानते हैं। सोशल मीडिया पर अब कई वीडियो सामने आ गए हैं, जिनमें दिखाया जा रहा है कि कैसे कश्मीर के लोग धर्म से ऊपर उठकर इस कठिन वक्त में मदद के लिए आगे आए हैं। एक बस में फंसे पर्यटकों की मदद के लिए पास की मस्जिद के लोग पहुंचे, उन्हें वेज बिरयानी और पानी दिया, और कहा कि जैसे ही रास्ता खुलेगा आप चले जाएंगे, लेकिन तब तक हम आपकी मदद के लिए हैं। एक मस्जिद से इस हमले की बाकायदा लाउड स्पीकर के जरिए निंदा की गई। हमले के फौरन बाद जब तक सरकारी मदद नहीं पहुंची, तब तक स्थानीय दुकानदारों, घोड़े वालों ने पर्यटकों को सुरक्षित नीचे पहुंचाने का काम किया। महाराष्ट्र से आई एक महिला एक वीडियो में बता रही है कि इस हमले को नेशनल मीडिया हिंदू–मुसलमान नैरेटिव में बदल रहा है, जबकि यहां कश्मीर में सारे लोग हमारी मदद कर रहे हैं। एनडीटीवी की ही खबर है कि मृतकों में शामिल सैयद हुसैन शाह इसलिए मारा गया क्योंकि उसने आतंकियों से भिड़ने का साहस किया। एक वीडियो में जीटीवी के पत्रकार ने पीड़ितों और चश्मदीदों से पूछा कि क्या आतंकियों ने नाम पूछकर मारा और तमाम लोगों ने ना में उत्तर दिया। आजतक के जम्मू–कश्मीर संवाददाता ने बताया कि जहां हमला हुआ वहां कम से कम 2 हजार पर्यटक थे, लेकिन सुरक्षाबल नहीं था, यह बड़ी सुरक्षा चूक है। हालांकि जब पत्रकार ये बात कह रहे थे तब दिल्ली स्टूडियो में उनकी आवाज रोककर दूसरी ब्रेकिंग खबर चलाई जाने लगी। ये तीनों चौनल भाजपा के समर्थन में खबरें पेश करने वाले माने जाते हैं, लेकिन इनके जम्मू–कश्मीर के संवाददाताओं ने असल तस्वीर पेश कर दी है। इस समय सही तस्वीर को देखने और समझने की ही जरूरत है। जैसे किसी जिग सॉ पहेली के अलग–अलग टुकड़ों को देखें तो सब कुछ बिखरा नजर आता है, लेकिन सारे टुकड़ों को सही तरीके से जोड़ने पर पूरी तस्वीर दिखती है, कु छ वैसा ही हाल आतंकी हमलों का भी है। इस बार के हमले में बताया जा रहा है कि आतंकी मुसलमान थे और पीड़ित हिंदू, लेकिन ये केवल पूरी पहेली का एक टुकड़ा भर है, इसके बाकी टुकड़ों को देखें तो आतंकी लश्कर–ए–तैयबा से जुड़े द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) के बताए जा रहे हैं, जो भले इस्लाम धर्म के हों, लेकिन असल में वो इस्लाम की शिक्षाओं पर नहीं चल रहे हैं। मरने वालों में हिंदू अधिक थे, लेकिन फिर वही बात कि इनमें मुसलमान और ईसाई भी थे, यानी आखिर में इंसान का ही खून बहा, इंसानियत को ही निशाने पर लिया गया। इस पूरे मसले को हिंदू–मुसलमान तक सीमित कर दिया जाएगा तो फिर दहशतगर्द अपने मकसद में कामयाब समझे जाएंगे। लेकिन इससे आगे बढ़कर ये समझने की कोशिश की जाएगी कि आखिर इस हमले का मकसद क्या था। क्यों ये बात फैलाई गई कि आतंकियों ने धर्म पूछकर मारा। जब आतंकी एक–एक का धर्म पूछ रहे थे और गोलियां चला रहे थे, तब सुरक्षा बल कहां था।

जिंदगी जब भी ढलान उतारे

ज़िंदगी जब भी ढलान से उतरे
बस यही दुआ है शान से उतरे

कभी सूफियाना रहा प्यार हमारा ,
जिंदगी ग़ज़ल के मकाम से उतरे ।

अब ये दिल चाहता हैं आराम जरा ,
न कोई चढ़े इश्क में, न निगाह से उतरे !

नही कोई हसीन जाम रहा अब पुराना ,
हम भी कहां कभी हमारे ईमान से उतरे ।

दिल चाहता तो हैं धूप इश्क की बहुत
पर कहां नशा हमें हमारे राम का उतरे।।

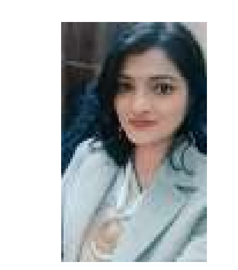

आशी प्रतिभा (स्वतंत्र लेखिका)
मध्य प्रदेश, ग्वालियर, भारत

टैरिफ युद्ध में ट्रंप पीछे हटे

अंजन रॉय

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वांस की सोमवार से शुरू हो रही यात्रा भारत और अमेरिका के बीच संबंधों में एक सूक्ष्म बदलाव का संकेत देती है। ट्रंप के टैरिफ युद्ध को लेकर वैश्विक व्यापार में उथल–पुथल के बीच इस चार दिवसीय यात्रा में एक निजी छाप भी है। वांस को एक उग्र और थोड़े कठोर व्यक्ति के रूप में जाना जाता है। लेकिन एक दूसरा पक्ष भी है, उनका परिवार– उनकी पत्नी उषा भारतीय मूल की वकील हैं, जिन्हें अपने तेलुगू वंश पर गर्व है। उषा के माध्यम से, वांस भारतीय संस्कृति और इतिहास से बहुत परिचित हैं। महत्वपूर्ण बात यह कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने सोमवार को अपने पहले कार्यक्रमों में से एक दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर का दौरा किया, जिसके दौरान वांस परिवार के बच्चों ने भारतीय वेशभूषा पहनी थी और गले में माला पहन रखे थे। यह दूसरे परिवार के भारत के साथ व्यक्तिगत और सांस्कृतिक जुड़ाव को रेखांकित करता है, जिसे प्रदर्शित करने के लिए वे काफी आगे तक गये। दूसरा, भारत अमेरिका के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस देश को एशिया और समग्र भू–राजनीति में चीन के बढ़ते प्रभाव के खिलाफ एक ढाल के रूप में देखा जाता है। अमेरिका चीन को आर्थिक रूप से और साथ ही, अमेरिकियों के मन में, वैश्विक रणनीतिक संतुलन में अपना कट्टर प्रतिद्वंद्वी मानता है। यह ध्यान देने योग्य है कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग वर्तमान में दक्षिण पूर्व एशिया के विस्तारित दौरे पर हैं ताकि ऐसे देशों का एक नेटवर्क बनाया जा सके जो अमेरिका के साथ टकराव में चीन के साथ खड़े हो सकें। हाल तक, दक्षिण पूर्व एशियाई देश संयुक्त राज्य अमेरिका के लगभग ग्राहक देश थे। अब चीन विशाल चीनी बाजारों में आकर्षक आवास और सड़कों और पुलों के निर्माण के लिए सहयोग के साथ उन्हें अमेरिका से दूर करने की कोशिश कर रहा है। चीन इन देशों को अमेरिका से कहीं अधिक विश्वसनीय सहयोगी के रूप में प्रभावित करने की कोशिश कर रहा है। इस अर्थ में, चीन अमेरिका को एशिया के साथ–साथ अन्य जगहों पर अपने पुराने मित्रों और सहयोगियों से अलग–थलग करने की कोशिश कर रहा है। ट्रंप के मनमौजी टैरिफ और धमकियों के बाद, अमेरिका पहले से ही वैश्विक मंच पर प्रमुख खिलाड़ियों से अलग–थलग पड़ गया है। ट्रम्प ने चीन के साथ–साथ यूरोपीय संघ को भी गहरी चोट पहुंचाई है, जो आर्थिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण ब्लॉक हैं। साथ ही रणनीतिक कूटनीति और भू–राजनीति के मामले में भी यूरोपीय संघ को धक्का लगा है। दुनिया ट्रम्प के घमंड और अमेरिकी श्रेष्ठता के पैंतरों से नाराज है। ट्रंप के मौजूदा दौर में वांस बेहद महत्वपूर्ण हैं और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडोमिर जेलेंस्की के साथ अमेरिकी दूरदर्शी डोनाल्ड ट्रम्प की कुख्यात बैठक के दौरान उनकी भूमिका देखी गयी। वांस डोनाल्ड ट्रम्प के कान हैं, भले ही ट्रम्प हमेशा अपने हिसाब से काम करते हैं। हाल ही में इटली की प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान उनके साथ बैठक में वांस प्रमुखता से बैठे थे। इस प्रकार, भारत को अब इस बात का लाभ मिला है कि वांस इस कठिन समय में भारत के दृष्टिकोण को सुनेंगे, जब अमेरिका ने टैरिफ की बौछार के साथ प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के खिलाफ आभासी युद्ध शुरू कर दिया है। भारत को तथाकथित पारस्परिक टैरिफ का भी सामना करना पड़ा है, जिसे अब अस्थायी रूप से नब्बे दिनों के लिए स्थगित कर दिया गया है।

बिहू आईं

बिहू आईं, बिहू आईं ,रंगाली बिहू आईं रे।
खुशी भरी, उल्लास भरी, रंगाली बिहू आईं रेघ्

कोयल करें कुहू कुहू, हुचरी की मस्ती छाईं रे।
पेड़ों पर नई पत्ती आईं ,बाग में नई फूल फूलाई रे।।
बिहू आईं, बिहू आईं ,रंगाली बिहू आईं रे।।
फागुन गई, वसंत के साथ बैसाखी भी आईं रे।

खेत खलिहान झूम उठे, फसल भी लहराई रे।।
पहले दिन गोरु बिहू, फिर मानुह बिहू आई रे।

तीसरे दिन आते ही गोसाईं बिहू , घर– घर खुशियॉ छाई रे।।

बिहू आईं, बिहू आईं ,रंगाली बिहू आई रे।।

सुजीत कुमार शर्मा
सहायक अध्यापक
शंकरदेव शिशु विद्या निकेतन
विश्वनाथ चारिआलि, विश्वनाथ, असम
मो. 90857 06217

दीया मिर्जा

पहलगाम आतंकी हमले पर बोलीं-अब हम चुप नहीं रहेंगे

जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से पूरा देश गुस्से से उबल रहा है। लोग सोशल मीडिया पर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कर रहे हैं। वहीं, इस घटना पर बॉलीवुड सेलेब्स भी अपना आक्रोश जाहिर कर रहे हैं। इस कड़ी में बॉलीवुड एक्ट्रेस दीया मिर्जा ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दीया मिर्जा ने अपने पोस्ट में लिखा–घटना के बाद से हमारा दिल दर्द और दुखों से भरा हुआ है। ऐसे समय में हमें एकजुट होकर खड़े होना चाहिए। शांति के लिए आवाज उठानी चाहिए। हमें नफरत और हिंसा के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए और अपराधियों को सजा मिलनी चाहिए। न्याय की जीत होनी चाहिए। आइए हम सब एक साथ आएं और कहें, बहुत हो गया। नफरत को हम अपने समाज को तोड़ने नहीं देंगे। अब हम चुप नहीं रहेंगे। दीया मिर्जा से पहले सिंगर श्रेया घोषाल ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर किया और कैप्शन में लिखा, मैं पहलगाम के बारे में सोचना बंद नहीं कर सकती। उस खामोशी के बारे में जो अराजकता के बाद आई होगी। उन परिवारों के बारे में जिनकी दुनिया फिर कभी पहले जैसी नहीं होगी। मेरे दिमाग में यही चल रहा है। यह जानकर मेरा दिल टूट गया कि ऐसे सुंदर, शांतिपूर्ण स्थान पर भी लोगों की जान चली गई, जिनका हिंसा से कोई लेना–देना नहीं था, फिर भी वे इसके शिकार बन गए। यह हमारे राष्ट्र की आत्मा पर चोट है। वहीं, ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा ने भी इंस्टाग्राम पोस्ट किया और लिखा–पहलगाम में जो हुआ, वह निंदनीय है। लोग वहां छुट्टियां मनाने, हनीमून मनाने, अपने परिवार के साथ सेलिब्रेट करने आए थे। वे बस कश्मीर की खूबसूरती का लुत्फ उठा रहे थे। कई मासूम लोगों की जान उस तूफान में फंस गई, जिसकी उन्होंने कभी उम्मीद भी नहीं की थी। अपनों के सामने ही उन्हें निशाना बनाया गया। यह ऐसी घटना नहीं है जिसे हम भूलकर आगे बढ़ सकें। यह हमें लंबे समय तक परेशान करेगी। मेरी संवेदनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं जो इस हमले से प्रभावित हुए हैं। आलिया भट्ट ने भी पहलगाम हमले पर अपना दुख व्यक्त किया है। आलिया ने अपने इंस्टा पोस्ट में लिखा–पहलगाम से आई खबर दिल दहला देने वाली है। निर्दोष लोगों की जान चली गई। टूरिस्ट, परिवार और वहां गए लोग बस उस खूबसूरती को जी रहे थे, सुकून की तलाश में थे, जिंदगी जी रहे थे, लेकिन अब उनकी जिंदगी में सिर्फ दुख है। हर बार जब ऐसा कुछ होता है, तो यह हमारी इंसानियत को जैसे खत्म कर देता है। इस हमले में मारे गए लोगों की आत्मा को भगवान शांति दे।

आतंकी हमले के बीच पाक एक्टर फवाद खान को बड़ा झटका, सरकार ने भारत में बैन की फिल्म अबीर गुलाल

पहलगाम आतंकी हमले के बीच पाकिस्तानी एक्टर फवाद खान की अपकमिंग फिल्म अबीर गुलाल निशाने पर आ गई है। उनकी इस फिल्म को भारत में रिलीज करने पर विरोध हो रहा है और बैन करने की मांग की जा रही है। इसी बीच अब सरकार ने फवाद की फिल्म को लेकर बड़ा फैसला लिया है। अबीर गुलाल अब भारत में रिलीज नहीं होगी। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तानी अभिनेता फवाद खान अभिनीत फिल्म 'अबीर गुलाल' को भारत में रिलीज नहीं होने दिया जाएगा। बता दें, इससे पहले फवाद खान और वाणी कपूर स्टारर 'अबीर गुलाल' 9 मई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही थी, लेकिन आतंकवादी हमले के बाद इसके विरोध ा और बहिष्कार की मांग तेज हो गई है। सोशल मीडिया पर यूजर्स का कहना है कि ऐसे समय में जब पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से देश को नुकसान पहुंच रहा है, उस समय किसी पाकिस्तानी कलाकार की फिल्म को भारत में प्रमोट करना उचित नहीं है। बता दें फवाद खान अबीर गुलाल से पहले कपूर एंड संस, ऐ दिल है मुश्किल, खूबसूरत जैसी बॉलीवुड फिल्मों में भी नजर आ चुके हैं। उरी में हुए अटैक के बाद से पाकिस्तानी कलाकारों को इंडिया में बैन कर दिया गया था। हालांकि, अब उनकी अपकमिंग फिल्म अबीर गुलाल भी देश में बैन हो गई।

आतंकवादी हमले के बाद फौजी में प्रभास की हीरोइन का विरोध, एक्ट्रेस बोलीं- मेरा पाक मिलिट्री से कोई कनेक्शन नहीं

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तानी एक्टर्स और उनकी फिल्मों का विरोध होने लगा है। फवाद खान की अबीर गुलाल को बैन करने की मांग उठ ही रही है। वहीं अब सरकार ने इसे लेकर बड़ा फैसला लिया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तानी अभिनेता फवाद खान की अबीर गुलाल भारत में रिलीज नहीं होगी। इन सबके बीच प्रभास की फौजी का भी विरोध शुरू हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि इस फिल्म की लीड एक्ट्रेस इमान इस्माइल के पिता पाकिस्तान मिलिट्री में अफसर है।अब ऐसी खबरों पर अमान ने चुप्पी तोड़ी है और कहा है कि ये महज अफवाह है। उनका और उनके परिवार का पाकिस्तान की मिलिट्री से कोई लेना देना नहीं है। इमान इस्माइल ने इंस्टाग्राम पर किए एक पोस्ट में पहले तो पहलगाम हमले की निंदा की है। उसके बाद बताया है कि पाकिस्तान से उनकी फैमिली का कोई–रिश्ता नाता नहीं है। उन्होंने लिखा–मेरे और मेरे परिवार का पाकिस्तानी सेना से कोई संबंध नहीं है। ऑनलाइन ट्रोल्स ऐसी गलत खबरें मेरे परिवार खिलाफ फैला रहे हैं।इन खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। इमान ने आगे लिखा–मैं प्राउड इंडियन–अमेरिकी हूं। मुझे हिंदी सहित तमिल, तेलुगू, गुजराती और अंग्रेजी भाषा आती है. मैं लॉस एंजेलिस में पैदा हुई. मैं अमेरिकी नागरिक हूं, अमेरिका में जन्मीं और पहली पीढ़ी की प्रवासी हूं. मेरी पढ़ाई लिखाई यूएसए में ही हुई। मैंने एक्टिंग, कोरियोग्राफी और डांसिंग की ट्रेनिंग ली है। इसके बाद मैंने इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा। बता दें कि फौजी एक पीरियड ड्रामा फिल्म है जिसमें प्रभास एक सैनिक की भूमिका में नजर आएंगे। इसके निर्देशन हनु राघवपुडी कर रहे हैं. फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। फिल्म में प्रभास के अलावा बॉलीवुड एक्टर मिथुन चक्रवर्ती भी हैं।

मौत के वक्त प्रेग्नेंट थी एक्स चाइल्ड आर्टिस्ट सोफी न्यवीडे, एक्ट्रेस के निधन की असल वजह आई सामने

हॉलीवुड की एक्स चाइल्ड आर्टिस्ट सोफी न्यवीडे अब हमारे बीच नहीं हैं। 24 की उम्र में उन्होंने अंतिम सांस ली। वहीं उनकी पोस्टमार्टम रिपोर्ट में रिवील हुआ है कि सोफ प्रेग्नेंट थीं। वर्मोंट स्वास्थ्य विभाग ने आधिकारिक तौर पर इस खबर पर मुहर लगाई है। खबरें हैं कि एक्स चाइल्ड आर्टिस्ट सोफी न्यवीडे मेंटल ट्रॉमा से भी जूझ रही थीं। उनके डेथ सर्टिफिकेट में भी इस बात का जिक्र किया गया है।सोफी का शव वर्मोंट के बेनिंगटन के एक जंगली इलाके में मिला। ये मैनचेस्टर सेंटर स्थित उनके घर से 25 मील की दूरी पर था हालांकि अभी आधिकारिक तौर पर ये नहीं पता चल पाया है कि उनकी प्रेग्नेंसी कितनी आगे बढ़ गई थी। सूत्रों के मुताबिक कहा जा रहा है कि शायद वो अपने शुरुआती चरण में थीं। अभी तक वर्मोंट स्वास्थ्य विभाग ने इसका कोई जवाब नहीं दिया ।सोफी के परिवार वालों ने खुलासा किया है कि एक्ट्रेस मानसिक परेशान थीं। वहीं इस भावनात्मक उथल–पुथल से बचने के लिए वो दवाईयां लेती थीं। सोफी अकेले रहना पसंद करती थीं और अपनी प्रॉब्लम किसी से शेयर करना पसंद नहीं करती थीं। वहीं वो डॉक्टर की हेल्प लेने से भी इनकार करती थीं। सोफी के फिल्मी करियर की बात करें तो उन्होंने साल 2006 में फिल्म बेला से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद एक्ट्रेस ने मिशेल विलियम्स और गेल गार्सिया बर्नल के साथ मैमथ में बेहतरीन काम किया था। एक्ट्रेस को स्नोबोर्डिंग और डांसिंग का बेहद शौक था।

बॉक्स ऑफिस पर संघर्ष कर रही है केसरी 2, जानें अबतक अक्षय कुमार की फिल्म ने कितना किया कलेक्शन

अक्षय कुमार और आर माधवन की फिल्म केसरीः चौप्टर 2 18 अप्रैल, 2025 को दुनियाभर में बड़े पर्दे पर उतरी। फिल्म की अच्छी कहानी और अभिनेताओं के शानदार अभिनय के बावजूद, यह बॉक्स ऑफिस पर संघर्ष करती रही। कोर्टरूम ड्रामा सर सी शंकरन नायर के जीवन पर आधारित है, जिन्होंने 1919 के जलियांवाला बाग हत्याकांड के लिए ताज के खिलाफ लड़ाई

लड़ी थी। फिल्म का निर्देशन करण सिंह त्यागी ने किया है और इसमें अनन्या पांडे, रेजिना कैसंड्रा, एलेक्स ओश्नेल और साइमन पैस्ले डे भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

केसरी चौप्टर 2ः द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ जलियांवाला बाग

केसरी चौप्टर 2ः द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ जलियांवाला बाग एक हफ्ते से ज्यादा समय से सिनेमाघरों में चल रही है। अक्षय कुमार, आर माधवन और अनन्या पांडे अभिनीत यह कोर्टरूम ड्रामा आपको सी शंकरन नायर की यात्रा पर ले जाता है, जो 1919 के जलियांवाला बाग हत्याकांड की सच्चाई को उजागर करता है। केसरी 2 आज उछाल देखने को मिल सकती है। धर्मा प्रोडक्शंस, लियो मीडिया कलेक्टिव और केप ऑफ गुड फिल्म्स के बैनर तले बनी केसरी 2 अपनी रिलीज के बाद से बॉक्स ऑफिस पर औसत प्रदर्शन कर रही है। सुबह के रुझानों के अनुसार, 8वें दिन, अक्षय कुमार अभिनीत इस फिल्म के दूसरे शुक्रवार को कारोबार में थोड़ी वृद्धि होने की उम्मीद है। शुक्रवार की उछाल के बाद, केसरी 2 शनिवार और रविवार को एक महत्वपूर्ण उछाल देखेगी।

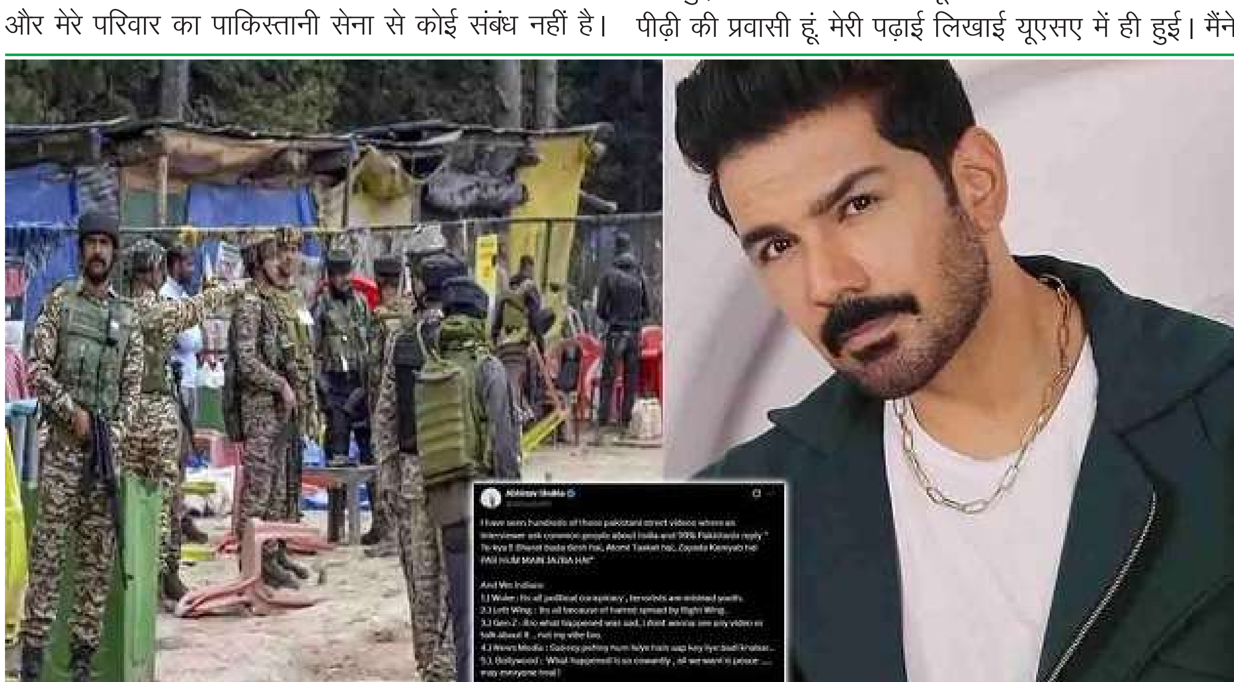

भाई हमारा जज्बा कहां है? सिर्फ फौज ही...भारतीयों पर सवाल उठा ट्रोल हुए अभिनव शुक्ला

22 अप्रैल को जहां जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में बैसरन घाटी में मजे ले रहे कई परिवारों की हंसती खेलती जिंदगियां उजड़ गईं।इस दर्दनाक घटना ने लोगों को हिलाकर रख दिया है। बॉलीवुड से लेकर टीवी स्टार्स तक सभी पहलगाम आतंकी हमले पर अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। अली गोनी, हिना खान, आसिम रियाज समेत कई टीवी सितारों ने इस हमले पर अपनी भड़ास निकाली है और मरने वालों के प्रति संवेदनाएं भी जाहिर की है। टीवी एक्टर अभिनव शुक्ला ने भी सोशल मीडिया पर आतंकी हमले पर अपना रिएक्शन दिया है हालांकि उन्होंने सोशल मीडिया पर हमले के बारे में बात करते हुए भारतीयों पर ही सवाल खड़े कर दिए हैं और उनसे तीखे सवाल तक पूछा है। अभिनव शुक्ला ने पहलगाम आतंकी हमले पर प्रतिक्रिया देते हुए एक्स पर ट्वीट किया है, जिसमें उन्होंने लिखा–मैंने उन सैकड़ों पाकिस्तानी स्ट्रीट वीडियो देखे हैं जहां एक इंटरव्यू लेने वाला आम लोगों से भारत के बारे में पूछता है और 99ः पाकिस्तानी जवाब देते हैं 'तो क्या!! भारत बड़ा देश है, परमाणु ताकत है, ज्यादा कामयाब है पर हम में जज्बा है।

और हम भारतीय

1.) उठते हैंः ये सब राजनीतिक साजिश है, आतंकवादी युवाओं को गुमराह कर रहे हैं।

2.) लेफ्ट विंगः ये सब राइट विंग द्वारा फैलाई गई नफरत के कारण है।

3.) जेन जेडः भाई जो हुआ वो दुखद था, मैं कोई वीडियो नहीं देखना चाहता या इसके बारे में बात नहीं करना चाहता३ मेरी वाइब नहीं है भाई।

4.) न्यूज मीडियाः सबसे पहले हम लाए हैं आपके लिए बड़ी खबर३

5.) बॉलीवुडः जो हुआ बहुत कायरतापूर्ण है, हम सभी चाहते हैं कि शांति हो सभी ठीक हों!

भाई हमारा जज्बा कहां है? सिर्फ फौज ही जज्बा दिखाए ?

अभिनव शुक्ला ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर भारतीय पर सवाल उठाए हैं और उनसे उनका जज्बा पूछा है। अभिनव शुक्ला के इस ट्वीट के बाद अब सोशल मीडिया यूजर्स उल्टा उनको ही ट्रोल करने लगे हैं। एक यूजर ने लिखा, सबसे पहली बात तो यह कि आप पाकिस्तानी सड़कों के वीडियो क्यों देख रहे हैं? आपके जज्बा सवाल का जवाब आपकी तीसरी लाइन में है दृश्हम विकास पर ध्यान केंद्रित करते हैं उनके विपरीत। हमें भारतीय सेना पर भरोसा है, वे अच्छी तरह से सुसज्जित हैं और बदला लेने में सक्षम हैं।,दूसरे यूजर ने बोला, बताओ अभिनव भाई आपने क्या जज्बा दिखाया? कीबोर्ड आपने चला लिया। अपने ही नागरिकों की कमियां आपने निकाल ली। वाह मेरे भाई।

हमारे शरीर के लिए फल बहुत ही फायदेमंद माने जाते हैं। हर फल के अपने गुण होते हैं। अमरूद की बात करें तो यह भी सेहत के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। सिर्फ अमरूद ही नहीं बल्कि इसकी पत्तियां भी। आयरन विटामिन्स और फाइबर से भरपूर अमरूद डायबिटीक पेशेंट के लिए भी बहुत फायदेमंद है। वहीं जिन लोगों के शरीर में खून की कमी रहती है उनके लिए भी अमरूद गुणकारी है। चलिए आपको अमरूद के ही अनगिनत फायदे बताते हैं।

शुगर के मरीजों के लिए बहुत बढ़िया

जिन लोगों के शरीर में ब्लड शुगर बढ़ती हैं उन्हें अमरूद खाना चाहिए। इसी के साथ उन्हें अमरूद की पत्तियों का पानी भी पीना चाहिए। इसके लिए उन्हें 4 से 5 पत्तियां साफ कर 1 लीटर पानी में उबालनी चाहिए। जब पानी आधा हो जाए तो इस पानी का ठंडा कर सेवन करना चाहिए। अमरूद व उसकी पत्तियां शरीर में इंसुलिन के स्तर को कंट्रोल रखने में मदद करता है।

एनीमिया मरीजों के लिए और गर्भवती के लिए फायदेमंद

जिन लोगों के शरीर में आयरन की कमी है तो खून बढ़ाने के लिए वह अमरूद का सेवन करें। इसमें भरपूर मात्रा में आयरन पाया जाता है जो हीमोग्लोबिन को बढ़ाता है। इसमें मैग्नीशियम भी पाया जाता है तो आपकी मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। यह गर्भावस्था के दौरान एनीमिया के खतरे को कम करने में भी मदद करता है। अमरूद में मौजूद फोलिक एसिड शिशु का विकास करने मे मदद करता हैं।

आंखों और स्किन के लिए भी बढ़िया

अमरूद में विटामिन ए और सी भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन ए आपकी आंखों को स्वस्थ रखता है और विटामिन सी आपकी स्किन को हैल्दी रखता है और इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है। अमरूद स्किन केयर के लिए बेहतर विकल्प है। अगर कम उम्र में ही आपकी त्वचा पर झाइयां आने लगी हैं तो आप अमरूद को अपनी डेली डाइट में शामिल कर सकते हैं। जल्द ही आपको फर्क दिखना शुरू होगा।

कब्ज से राहत

जैसे कि हमने पहले बताया है कि अमरूद में फाइबर भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है जो पेट को सही रखने में सबसे ज्यादा जरूरी है। अगर आपको कब्ज की समस्या रहती है तो अमरूद का सेवन करें। सिर्फ कब्ज ही नहीं यह पाचन संबंधी और भी बहुत सी समस्याओं से निजात दिलाता है। खाली पेट 200–300 ग्राम अमरूद का सेवन करने से बवासीर में लाभ मिलता है।

पेट के कीड़े मारे

बहुत से छोटे बच्चे के पेट में कीड़े की समस्या हो जाती है। ऐसे बच्चों को खाने में अमरूद जरूर दें क्योंकि अमरूद इन कीड़ों को मारने का काम करता है।

अमरूद खाने का सही समय और तरीका

आयुर्वेद एक्सपर्ट के अनुसार, अमरूद की तासीर ठंडी होती है इसलिए इसे दोपहर में खाए तो बेहतर है। अमरूद को दोपहर के भोजन के एक घंटा पहले या भोजन के 2 घंटे बाद लेना फायदेमंद रहता है। आप 1 से 2 अमरूद का सेवन काला नमक लगाकर करें तो ज्यादा फायदा मिलेगा।

अमरूद कब देगा नुकसान

अमरूद खाने के बाद पानी से परहेज करना चाहिए ।कम से कम एक घंटा पानी ना पीने की सलाह दी जाती है ।शाम को खाने से बचना चाहिए अमरूद क्योंकि ये भूख बढ़ाता है और इसका गूदा जल्दी पच जाता है, लेकिन इसके अंदर की बीज को पचने में समय लगता है इसलिए शाम व रात के समय इसका सेवन ना करें।

जिन लोगों की शुगर कम रहती है वह भी अमरूद से परहेज करें। सर्दी जुकाम में अमरूद का सेवन ना करने की ही सलाह दी जाती है।

गर्मी के मौसम ने दस्तक दे दी है। ऐसे में बदलते मौसम का सबसे पहला असर स्वास्थ्य पर होता है। गर्मी के कारण पसीना आता है जिससे शरीर में बैक्टीरिया पैदा होने लगते हैं। इसके अलावा डिहाइड्रेशन, पेट संबंधी समस्याएं, सीजनल फ्लू भी शरीर को कई तरह से घेरता है। इन सभी स्वास्थ्य समस्याओं से बचने के लिए फिटकरी फायदेमंद हो सकती है। फिटकरी में एंटीबायोटिक और एंटीइंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं जो शरीर को कई फायदे देते हैं। तो चलिए आज आपको इस आर्टिकल के जरिए फिटकरी के स्वास्थ्य लाभ बताते हैं।

पसीने की बदबू होगी दूर

फिटकरी गर्मियों में आपके लिए एक नैचुरल डियोडरेंट के तौर पर काम करती है। इससे तन की दुर्गंध दूर होती है। इस पानी में मिलाकर अंडरआर्म्स में लगाने से स्वैट ग्लैंड्स श्रिंक होते हैं और ज्यादा पसीना आने की समस्या भी दूर होती है। फिटकरी का इस्तेमाल आप नहाने वाले पानी में मिलाकर कर सकते हैं। इसमें कुछ ऐसे एंटीबैक्टीरियल गुण भी मौजूद होते हैं जो इंफेक्शन बढ़ने से रोकते हैं।

खांसी से मिलेगा आराम

यदि आपको बदलते मौसम में गले में बलगम और खराश होती है तो भी फिटकरी आपके लिए फायदेमंद हो सकती है। दिन में दो बार इसे पानी में मिलाकर गरारे करने से आपका गला साफ होगा और खांसी से आराम मिलेगा।

मसूड़े बनेंगे मजबूत

अनहेल्दी खान–पान के कारण आजकल दांतों से जुड़ी समस्याएं भी बहुत जल्दी घेरती हैं। ऐसे में यदि आप मसूड़ों के दर्द से परेशान हैं तो फिटकरी के पानी के साथ गरारे इससे मुंह में आने वाली बदबू दूर होगी। इसके अलावा यह मसूड़ों को मजबूत बनाने में भी मदद करती है। फिटकरी को आप माउथ वॉश के तौर पर इस्तेमाल कर सकते हैं।

जोड़ों के दर्द से मिलेगी राहत

शरीर की सूजन और दर्द से राहत दिलवाने में भी फिटकरी बेहद लाभकारी मानी जाती है। इसमें कुछ ऐसे एंटीइंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं जो दर्द दूर करने में मदद करते हैं। शरीर के सूजन वाले हिस्से पर पानी के साथ इसकी सिकाई करें। इसके अलावा एक टब में गर्म पानी डालकर पैर इसमें डुबोकर बैठने से भी आपको सूजन से राहत मिलेगी।

कोलेस्ट्रॉल रहेगा कंट्रोल

इसका इस्तेमाल करने से कोलेस्ट्रॉल भी कंट्रोल में रहता है। यह नसों में जमा गंदा कोलेस्ट्रॉल साफ करती है जिससे ब्लड सर्कुलेशन ठीक होता है। फिटकरी दिल की सेहत के लिए भी फायदेमंद होती है।

मुंह के छाले होंगे दूर

यदि आपके मुंह में छाले रहते हैं तो फिटकरी को पानी में डालें। फिर इस पानी को उबाल लें। पानी को गुनगुना करके उससे कुल्ला करें। धीरे–धीरे मुंह के छाले ठीक होने लगेंगे।

गर्मियों के मौसम स्कैल्प की केयर करना बेहद जरुरी है और इस लेख में हम आपको स्कैल्प की केयर की टिप्स बताने जा रहे हैं। बालों की केयर करना बहुत जरुरी है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही टिप्स बताने जा रहे हैं जिन्हें आप स्कैल्प की केयर करने के लिए फॉलो करें। समर सीजन में भीषण गर्मी पड़ने से स्कैल्प में ड्राइनेस होने की समस्या हो जाती है। साथ ही इसका असर बालों पर भी पड़ता हैं। समर सीजन में स्कैल्प की केयर करनी चाहिए। बालों से जुड़ी समस्या पैदा न हो। वहीं अगर स्कैल्प हेल्दी रहेगा तो बाल भी सुंदर होंगे। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही टिप्स बताने जा रहे हैं जिन्हें आप स्कैल्प की केयर करने के लिए फॉलो करें।

स्कैल्प की मसाज करें

स्कैल्प को हेल्दी रखने के लिए आप तेल से स्कैल्प की अच्छी तरह से मसाज करें। स्कैल्प की मसाज करने से जहां ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और स्कैल्प भी हेल्दी रहता है। वहीं स्कैल्प के हेल्दी रखने से बालों में विकास होती है। वहीं बाल झड़ने की समस्या कम होती है।

शैम्पू का ज्यादा न करें इस्तेमाल

समर सीजन में ज्यादा बालों को धोने से बचना चाहिए। हफ्ते में सिर्फ दो से तीन बार ही धोना चाहिए। बालों को ज्यादा धोने से बालों स्कैल्प को नुकसान हो सकता है। वहीं बालों को धोते समय कम शैम्पू का इस्तेमाल करें। बालों के लिए बेहतर शैम्पू के इस्तेमाल करें और इसके लिए आप डर्मेटोलॉजिस्ट या किसी ब्यूटी एक्सपर्ट की सलाह ले सकते हैं।

स्कैल्प पर न लगाएं कंडीशनर

गर्मियों के मौसम में पसीना बहुत होता है और इस वजह से हेयर्स ड्राई हो जाते हैं। कंडीशर का स्कैल्प पर इस्तेमाल करने से ड्राई हो जाते हैं। इसका प्रयोग करते समय ध्यान रखे कि इसे स्कैल्प पर न लगाएं। कंडीशनर स्कैल्प पर लगाने से बालों की जड़ों पर इसका असर है जो बालों को नुकसान पहुंता सकते हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

– बालों पर ज्यादा हीटिंग टूल्स का इस्तेमाल न करें।
– बाहर जाने के दौरान बालों को बांध कर रखे।
– धूल और प्रदूषण से बचाने के लिए बालों को कवर करें।
– बालों को ठंडे पानी से धोने से बचें।

अंडरआर्म्स का काला पड़ना कोई असामान्य बात नहीं है। शरीर के अन्य हिस्सों की तरह, अंडरआर्म्स की त्वचा भी काली या बदरंग हो सकती है। अंडरआर्म की त्वचा बाकी त्वचा की तुलना में अधिक डार्क होती है, जो कुछ लोगों को स्लीवलेस टॉप पहनने, सार्वजनिक रूप से सूट पहनने से शर्म आती है। यदि आपके अंडरआर्म्स डियोड्रेंट, शेविंग या अन्य जलन पैदा करने वाले पदार्थों के संपर्क में आने के कारण काली पड़ गई है, तो आपको अपनी अंडरआर्म्स को हल्का करने के कई प्रयास कर लिए लेकिन फिर भी कोई हल नहीं निकला। अगर बात करें तो अंडरआर्म्स की तो कई बार यह स्किन टोन की तुलना में काफी ज्यादा डार्क नजर आते हैं। गर्मी के मौसम में काले अंडरआर्म्स शार्मिंदगी का कारण बन सकते हैं। चलिए आपको इस लेख में अंडरआर्म्स को लाइट करने के लिए इस होममेड सीरम को लगाना शुरु करें।

अंडरआर्म्स के कालेपन के कारण

– डिओडोरेंट्स और एंटीपर्सपिरेंट्स में रासायनिक जलन पैदा करने वाले तत्व।
–शेविंग के कारण होने वाली जलन।
– कभी–कभार एक्सफोलिएशन के कारण मृत त्वचा कोशिकाओं का जमा होना।
– टाइट कपड़ों के कारण होने की वजह से आदि।
– मेलास्मा, या त्वचा पर काले धब्बे।
– अन्य त्वचा विकार जो कालापन पैदा कर सकते हैं, जैसे फॉक्स–फोर्डिस रोग।
– धूम्रपान, जो हाइपरपिग्मेंटेशन को बढ़ाता है।

सामग्री
–फिटकरी
–गुलाब जल
–ग्लीसरीन

कैसे बनाएं ये सीरम

इस सीरम को बनाने के लिए पहले फिटकरी लें और उसें ब्लेंडर डालकर पीस लें। महीन पाउडर तैयार कर लें। अब इस पाउडर में दो से तीन चम्मच ग्लीसरीन और गुलाब जल मिला लें। इसका थिक सीरम बनाना है। जब ये तैयार हो जाए तो इसे एक बोतल में निकाल लें। इस सीरम को सुबह नहाने के बाद या फिर शाम के टाइम इसे लगा लें।

संक्षिप्त

पहलगाम हमले के विरोध में दिल्ली के बाजार बंद, व्यापारी संगठनों ने लिया फैसला

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से ही पूरे देश भर में लोगों में रोष व्याप्त है। हर वर्ग के लोगों में नाराजगी है। इस हमले के विरोध में दिल्ली के व्यापारिक संगठनों ने दिल्ली बंद का आह्वान किया है। शुक्रवार 25 अप्रैल को दिल्ली के बड़े बाजारों में बंद रखा गया है। दिल्ली के कनॉट प्लेस, चांदनी चौक, चावड़ी बाजार समेत राजधानी के कई बड़े बाजार बंद रहेंगी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के 700 से अधिक बाजार इस दौरान बंद रहेंगे। इस हमले से दिल्ली के व्यापारियों में बेहद आक्रोश है। इसे लेकर व्यापारियों ने बंद का आह्वान किया है। बाजार बंद होने के कारण आम जनता को परेशानी ना हो इसलिए दवा, सब्जी जैसे जरुरी सामान की दुकानें खुली रहेंगी। इस दौरान माल ढुलाई और पेट्रोल पंप सामान्य रूप से खुलेंगे।

दिल्ली में बाजार बंद का आह्वान

राष्टीय राजधानी दिल्ली में बुधवार को प्रमुख थोक बाजारों की संयुक्त बैठक हुई है। दिल्ली हिंदुस्तानी मर्केंटाइल एसोसिएशन ने बंद बुलाया है। इस बंद का समर्थन कंफेडेरशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रैडर्स (कैट), चौंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआइ), दिल्ली व्यापार महासंघ और भारतीय उद्योग व्यापार मंडल (बीयूवीएम) ने भी किया है। ये सभी दिल्ली के प्रमुख व्यापारी संगठन है। इस कारण दिल्ली में साउथ दिल्ली, नई दिल्ली, पूर्वी दिल्ली समेत कई अन्य इलाकों के बाजार बंद रखे गए है। कई बाजारों में विरोध प्रदर्शन भी किया गया है।

ये बाजार संगठन हुए शामिल

डीएचएमए के अधिकारी ने मीडिया को बताया कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में दिल्ली में बाजार बंद रखे गए है। आतंकी हमले के विरोध में पीड़ित परिवारों के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए ये विरोध किया गया है। इस बंद में कई बाजार और ट्रांसपोर्ट संगठनों ने अपना समर्थन जाहिर किया है।

बंद रहेंगे ये बाजार

जानकारी के मुताबिक दिल्ली में आतंकी हमले के विरोध में दिल्ली के सभी बड़े बाजार बंद रहेंगे। इसमें चावड़ी बाजार, सदर बाजार, भागीरथ प्लेस, नया बाजार, खारी बावली, कश्मीरी गेट, जामा मस्जिद, दरियागंज, नई सड़क, बुलियन एसोसिएशन चांदनी चौक, कटरा अशर्फी चांदनी चौक, क्लॉथ मार्केट चांदनी चौक, हौजकाजी, मीना बाजार, मटियामहल, किनारी बाजार आदि शामिल है। इसके अलावा नबी करीम, मुल्तानी ढांडा, दिल्ली वेजिटेबल एंड ऑयल एसोसिएशन खारी बावली, केमिकल एसोसिएशन खारी बावली, राजौरी गार्डन मार्बल एसोसिएशन, डिप्टी गंज बर्तन बाजार, किराना कमेटी खारी बावली, मोरी गेट में भी दुकानदारों ने दुकानें बंद रखने का आह्वान करते हुए बंद को समर्थन दिया है।

पहलगाम हमले के पीड़ितों की मदद के लिए एक करोड़ रुपये, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का एलान

नई दिल्ली। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने 22 अप्रैल, 2025 को कश्मीर के पहलगाम में हुए दुखद आतंकवादी हमले के पीड़ितों के परिवारों की सहायता के लिए एक करोड़ रुपये देने का संकल्प लिया है। इस हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी। इस घटना के बाद पूरे देश में शोक और गुस्से की लहर दौड़ गई। एनएसई के एमडी और सीईओ आशीष कुमार चौहान ने सोशल मीडिया पर इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए सहायता देने की घोषणा की। चौहान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक ट्वीट में कहा, ष्समर्थन के एक विनम्र रूप में, एनएसई इस कठिन समय के दौरान पीड़ितों के परिवारों के साथ एकजुटता दिखाते हुए, पीड़ितों के परिजनों को 1 करोड़ रुपये देने का संकल्प लेता है।ष एनएसई के इस कदम की इस कदम की जनता की ओर से व्यापक रूप से सराहना की गई है। लोगों ने इस त्रासदी के बाद एनएसई की सहानुभूतिपूर्ण प्रतिक्रिया

की सराहना की है। एक यूजर ने पोस्ट पर टिप्पणी की, ष्इस कदम की जनता की ओर से व्यापक रूप से सराहना की गई है। उद्योग जगत के नेताओं और नागरिकों ने इस त्रासदी पर एनएसई की त्वरित और दयालु प्रतिक्रिया की सराहना की है।ष एक अन्य उपयोगकर्ता ने कहा, ष्यह केवल मौद्रिक समर्थन नहीं है। यह एक बड़ा संदेश देता है। आपको और एनएसई को बधाईष। एनएसई ने यह कदम भारत की ओर से कश्मीर के पहलम जिले में हुए आतंकवादी हमले के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के बाद उठाया गया है। भारत सरकार ने इस कायरतापूर्ण कार्रवाई के बाद आतंकियों को संरक्षण देने के विरोध में पाकिस्तान के साथ 1960 की सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया है। इसके साथ ही अटारी में एकीकृत चेक पोस्ट को भी बंद कर दिया गया है। जिन लोगों के पास वैध वीजा है, केवल उन्हें ही 1 मई, 2025 तक उक्त मार्ग से लौटने की अनुमति है। इसके अलावे, पाकिस्तानी नागरिकों को अब सार्क वीजा छूट योजना (एसवीईएस) के तहत भारत में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। पहले जारी किए गए किसी भी एसवीईएस वीजा को भी रद्द कर दिया जाएगा। वर्तमान में भारत में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों को देश से बाहर निकलने के लिए 48 घंटे का समय दिया गया है। भारत इस्लामाबाद स्थित उच्चायोग से अपने संबंधित सलाहकारों को भी वापस बुला रहा है। साथ ही दोनों मिशनों से पांच सहायक कर्मचारियों को भी वापस बुलाया जाएगा। वहीं, 1 मई, 2025 तक दोनों उच्चायोगों में काम करने वाले लोगों की कुल संख्या मौजूदा 55 से घटाकर 30 सदस्य कर दी जाएगी।

चिन्नास्वामी में खुला आरसीबी की जीत का खाता, राजस्थान की लगातार 5वीं शिकस्त; अंक तालिका में बदलाव

चिन्नास्वामी में खुला आरसीबी की जीत का खाता, राजस्थान की लगातार 5वीं शिकस्त; अंक तालिका में बदलाव

बंगलुरू। विराट कोहली और देवदत्त पडिक्कल की शानदार अर्धशतकीय पारियों के बाद जोश हेजलवुड की घातक गेंदबाजी की बदौलत रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु ने राजस्थान रॉयल्स को 11 रन से हरा दिया। गुरुवार को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी आरसीबी ने 20 ओवर में पांच विकेट खोकर 205 रन बनाए। यह आरसीबी का इस टीम के खिलाफ सबसे बड़ा स्कोर है। जवाब में राजस्थान की टीम निर्धारित ओवरों में नौ विकेट खोकर सिर्फ 194 रन ही बना सकी। उनके लिए यशस्वी जायसवाल ने सर्वाधिक 49 रन बनाए। वहीं, आरसीबी के लिए हेजलवुड ने चार विकेट झटके जबकि क्रुणाल पांड्या को दो विकेट मिले। इसके अलावा भुवनेश्वर कुमार और यश दयाल ने एक–एक सफलता अपने नाम की।

चिन्नास्वामी में जीत के साथ तीसरे स्थान पर पहुंची आरसीबी

अपने घरेलू मैदान पर आरसीबी ने सत्र की पहली जीत दर्ज की। इससे पहले उन्होंने चिन्नास्वामी में तीन मुकाबला गंवाए थे। नौ में से छह मैच जीत चुकी बेंगलुरु 12 अंक और 0.482 के नेट रन रेट के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई। वहीं, राजस्थान लगातार पांच मैचों में शिकस्त के साथ आठवें स्थान पर बनी हुई है। उनका नेट रन रेट –0.625 हो गया है।

राजस्थान की पारी

यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी ने टीम को शानदार शुरुआत दिलाई थी। 23 वर्षीय बल्लेबाज जायसवाल ने भुवनेश्वर कुमार के खिलाफ पारी की पहली ही गेंद पर छक्का जड़कर अपने इरादे जाहिर कर दिए थे। उन्होंने 14 वर्षीय सूर्यवंशी के साथ पहले विकेट के लिए 52 रन की साझेदारी निभाई। उन्हें भुवनेश्वर कुमार ने बोल्ड किया। वहीं, यशस्वी 19 गेंदों में 49 रन बनाकर आउट हो गए। वह एक रन से अपना अर्धशतक पूरा करने से चूके। अपनी धमाकेदार पारी के दौरान उन्होंने सात चौके और तीन छक्के लगाए। इसके बाद तीसरे

नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए नीतीश राणा और रियान पराग ने मोर्चा संभाला और तीसरे विकेट के लिए 38 रन जोड़े। हालांकि, दोनों को क्रुणाल पांड्या ने अपना शिकार बनाया। नीतीश 28 और रियान 22 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इस मुकाबले में जायसवाल के अलावा ध्रुव जुरेल ने 40 से ज्यादा रनों की पारी खेली। उन्होंने तीन चौके और इतने ही छक्के की मदद से 47 रन बनाए। हालांकि, वह अपनी टीम को जीत दिलाने से पहले ही आउट हो गए। आरसीबी के खिलाफ शुभम दुबे ने 12 रन बनाए जबकि जोफ्रा आर्चर खाता भी नहीं खोल पाए। वहीं, वानिंदु हसरंगा एक रन बनाकर रनआउट हो गए जबकि तुषार देशपांडे और फजलहक फारुकी क्रमशरू एक और दो रन बनाकर नाबाद रहे। इस मैच में फिल सॉल्ट और विराट कोहली ने आरसीबी को सधी शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 61 रन की साझेदारी हुई। वानिंदु हसरंगा ने सातवें ओवर में सॉल्ट को अपना शिकार बनाया। वह 23 गेंदों में 26 रन बनाकर आउट हुए। इसमें चार चौके शामिल हैं। इसके बाद किंग कोहली को देवदत्त पडिक्कल का साथ मिला। दूसरे विकेट के लिए दोनों ने 51 गेंदों में 95 रन जोड़े। इस दौरान आरसीबी के पूर्व कप्तान ने 32 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। यह उनके आईपीएल करियर का 60वां पचासा है जबकि मौजूदा सत्र का पांचवां अर्धशतक है। वह 42 गेंदों में 70 रनों की तूफानी पारी खेलकर पवेलियन लौटे। इस दौरान उनके बल्ले से आठ चौके और दो छक्के निकले। वहीं, देवदत्त पडिक्कल ने 27 गेंदों नें 50 रन बनाए। उनके अलावा टिम डेविड ने 23, रजत पाटीदार ने एक रन बनाया। इसके अलावा जितेश शर्मा चार चौके की मदद से 20 रन बनाकर नाबाद रहे। राजस्थान के लिए संदीप शर्मा ने दो विकेट लिए जबकि जोफ्रा आर्चर और वानिंदु हसरंगा ने एक–एक सफलता हासिल की।

पहलगाम हमले के बाद BCCI का बड़ा कदम, पाकिस्तान मैचों को लेकर आईसीसी को पत्र लिखा : रिपोर्ट

दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को घातक आतंकवादी हमला हुआ है, जिसमें 26 मासूम पर्यटकों की जान चली गई थी। इस हमले के बाद भारत सरकार ने कई कड़े कदम पाकिस्तान के खिलाफ उठाए है। इसी कड़ी में कार्रवाई करते हुए अब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को एक पत्र लिखकर एक बड़ा कदम उठाया है। आईसीसी को लिखे इस पत्र में बीसीसीआई ने आग्रह किया है कि वे आईसीसी टूर्नामेंटों में भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में न रखें। क्रिकबज की एक रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई अब भारत और पाकिस्तान के बीच कोई मुकाबला खेलना नहीं चाहता है। कम से कम आईसीसी के टूर्नामेंट में बीसीसीआई भारत–पाक के बीच कोई मुकाबला नहीं चाहता है। वैसे आईसीसी का अगला टूर्नामेंट सितंबर में खेला जाना है। इस टूर्नामेंट में भारत महिला वनडे विश्व कप की मेजबानी करेगा। पाकिस्तान ने आठ टीमों के टूर्नामेंट में जगह बना ली है, जहां प्रत्येक टीम राउंड–रॉबिन प्रारूप में अन्य सभी प्रतिभागियों के खिलाफ खेलेगी। पूर्व–निर्धारित व्यवस्था के अनुसार, पाकिस्तान भारत में अपना कोई भी मैच नहीं खेलेगा, तथा मेजबान देश ने अभी तक तटस्थ स्थल पर निर्णय नहीं लिया है। इससे पहले बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने पुष्टि की थी कि बीसीसीआई भारत सरकार के फैसले का ही पालन करेगा। मगर रिपोर्ट में कहा गया कि बीसीसीआई के एक शीर्ष अधिकारी ने वेबसाइट को बताया कि यह घटनाक्रम उनके लिए नई बात है। पुरुष क्रिकेट का अगला आईसीसी टूर्नामेंट 2026 में होगा। इस टूर्नामेंट का आयोजन फरवरी और मार्च के बीच भारत और श्रीलंका में टी20 विश्व कप का आयोजन किया जाएगा। हालांकि, बीसीसीआई के लिए तत्काल चिंता एशिया कप है, जो सितंबर में भारत की मेजबानी में आयोजित किया जाएगा। हालांकि, वेबसाइट पर ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि एशियाई क्रिकेट परिषद ने एशिया कप के मीडिया अधिकार बेच दिए हैं – जिसकी कीमत चार संस्करणों के लिए 170 मिलियन डॉलर है – यह इस अनौपचारिक समझौते पर आधारित है कि प्रत्येक संस्करण में कम से कम दो भारत–पाकिस्तान मैच होंगे, और यदि दोनों टीमें फाइनल में भिड़ती हैं तो तीसरे मैच की भी संभावना है।

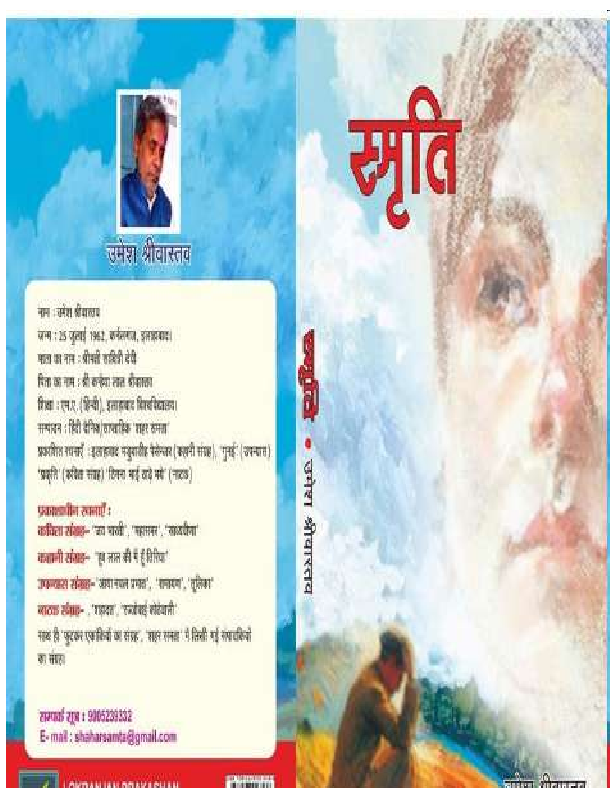

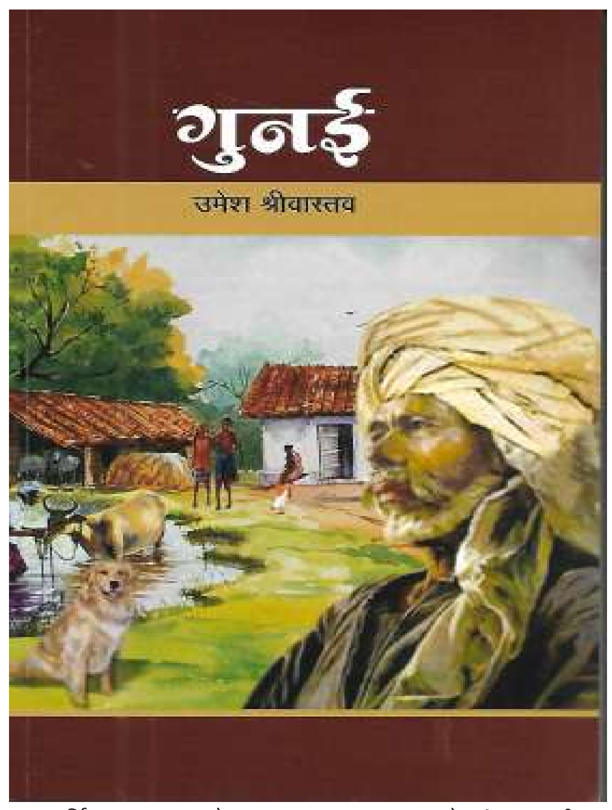

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

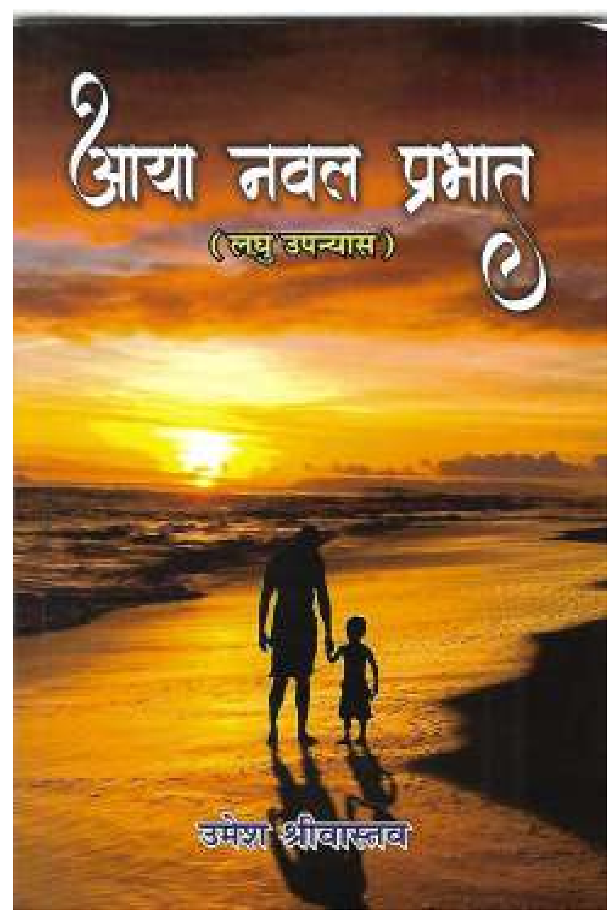

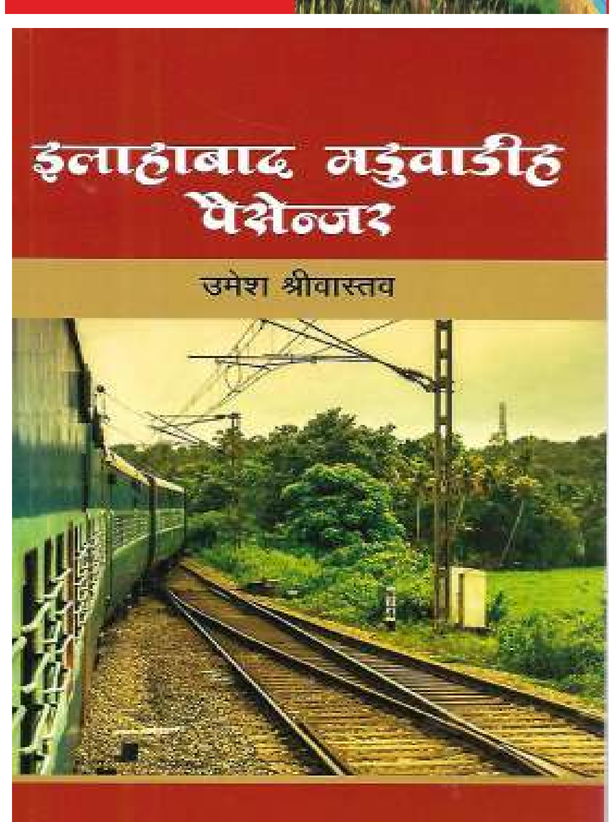

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

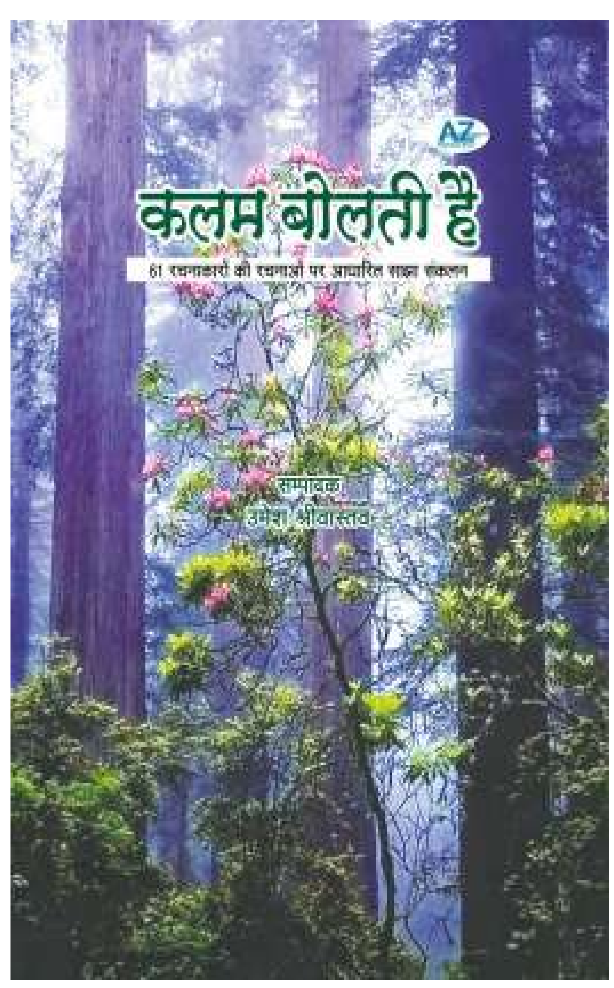

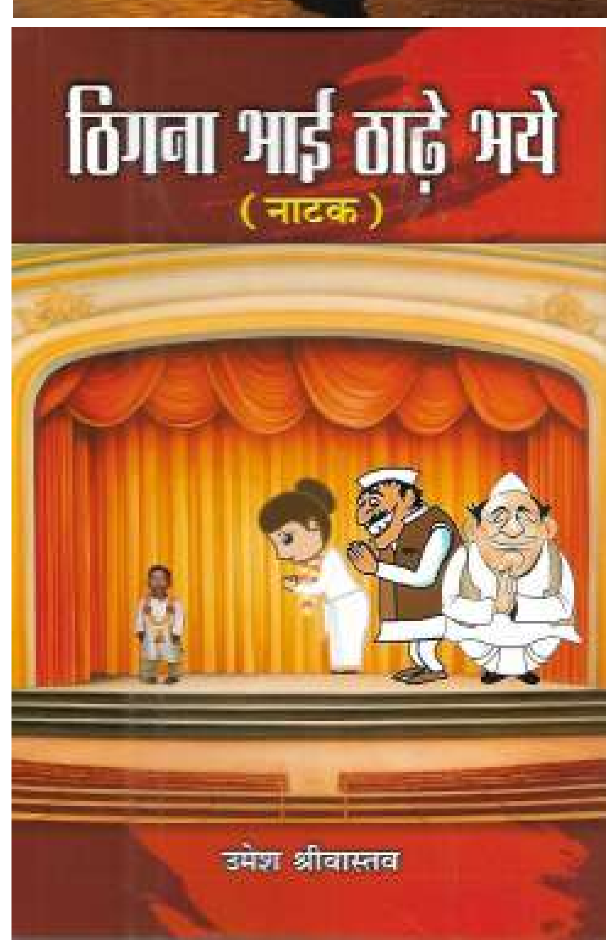

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

रूस ने पूरे यूक्रेन पर कब्जा नहीं कर 'काफी बड़ी रियायत' दी है : ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि रूस ने यूक्रेन में युद्ध को समाप्त करने से पहले ही पूरे देश पर कब्जा करने के इरादे को छोड़कर ''काफी बड़ी रियायत'' दे दी है। ट्रंप के इस विचार का हालांकि यूक्रेन और यूरोप के

अधिकांश देशों ने कड़ा विरोध किया है और दलील दी है कि रूस द्वारा भूमि हड़पने की अपनी कार्रवाई को रोकना कोई रियायत नहीं है। इससे पहले बृहस्पतिवार को ट्रंप ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से यूक्रेन पर हमले रोकने को कहा था। यह अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा रूसी नेता को मामले में फटकार लगाने की दुर्लभ घटना थी। ट्रंप ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर रूस द्वारा बड़े पैमाने पर किये गए हमले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ''मुझे कल रात की घटना पसंद नहीं आई। मैं इससे खुश नहीं हूं।'' उन्होंने इस घटना को ही लेकर पुतिन की आलोचना की है।

30 अप्रैल तक पाकिस्तान छोड़ दें भारतीय नागरिक, शहबाज सरकार ने दिया अल्टीमेटम

पाकिस्तान की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति (एनएससी) की बैठक के बाद, इस्लामाबाद ने पाकिस्तान में सभी भारतीय नागरिकों को 30 अप्रैल 2025 तक भारत लौटने के लिए कहा है। एक प्रेस विज्ञप्ति में पाकिस्तानी पीएमओ ने कहा जो लोग वैध अनुमोदन के साथ सीमा पार कर गए हैं, वे तुरंत उस मार्ग से वापस आ सकते हैं, लेकिन 30 अप्रैल 2025 के बाद नहीं। पाकिस्तान ने भारतीय नागरिकों को जारी किए गए सार्क वीज़ा छूट योजना (एसवीईएस) के तहत सभी वीज़ा को भी निलंबित कर दिया है और उन्हें तत्काल प्रभाव से रद्द माना है। प्रेस विज्ञप्ति में एसवीईएस के तहत वर्तमान में पाकिस्तान में मौजूद

भारतीय नागरिकों को 48 घंटे के भीतर बाहर निकलने का निर्देश दिया गया है। इससे पहले, डॉन ने बताया कि उप प्रधानमंत्री इशाक डार ने बुधवार देर रात एक निजी टेलीविजन चौनल से बात करते हुए भारत के दृष्टिकोण की आलोचना की और इसे अपरिपक्व और जल्दबाजी कहा। राजनयिक पर्यवेक्षकों ने चेतावनी दी है कि भारतीय प्रतिक्रिया और पाकिस्तान के जवाबी संदेश द्विपक्षीय संबंधों को नए निचले स्तर पर ले जा सकते हैं, जिससे 2019 के पुलवामा–बालाकोट संकट के बाद से चली आ रही दरार और बढ़ सकती है। डॉन ने बताया कि संधि निलंबन, विशेष रूप से, दीर्घकालिक जल विवादों को भड़काने का जोखिम उठाता है, जबकि राजनयिक संबंधों का डाउनग्रेडिंग भविष्य के किसी भी डी–एस्केलेशन प्रयासों में बाधा डाल सकता है। पहलगाम हमले के एक दिन बाद, बुधवार शाम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में नई दिल्ली में सुरक्षा पर कैबिनेट समिति (बैठक) की बैठक हुई और आतंकी हमले के जवाब को अंतिम रूप दिया गया।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने कबूली आतंकियों के समर्थन की बात, कहा- अमेरिका के लिए ये गंदा काम कर रहे

इस्लामाबाद। अब तक आतंकवाद और आतंकियों का समर्थन न करने की बात कह रहे पाकिस्तान की बड़ी पोल खुली है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने आतंकियों को समर्थन और प्रशिक्षण देने की बात कबूल की है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने कहा कि पिछले तीन दशक से पाकिस्तान आतंकवादियों को समर्थन और प्रशिक्षण दे रहा है। उन्होंने इसका दोष अमेरिका और पश्चिमी देशों पर मढ़ दिया। रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि हम तीन दशकों से अमेरिका और ब्रिटेन सहित पश्चिम के लिए यह गंदा काम कर रहे हैं। यह एक गलती थी और पाकिस्तान को इसका खामियाजा भुगतना पड़ा। अगर हम सोवियत संघ के खिलाफ युद्ध में शामिल नहीं होते और 9/11 के हमले नहीं होते तो पाकिस्तान का रिकॉर्ड बेदाग होता।

भारत पर लगाया पहलगाम हमला कराने का आरोप

पाकिस्तानी मंत्री ने आरोप लगाया कि भारत ने पाकिस्तान के लिए संकट पैदा करने की कोशिश करते हुए पहलगाम आतंकी हमला कराया है। उन्होंने कहा कि लश्कर–ए–तैयबा अब अस्तित्व में नहीं है। मैंने द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) के बारे में कभी नहीं सुना। लश्कर एक पुराना नाम है। इसका कोई अस्तित्व नहीं है। हमारी सरकार ने पहलगाम हमले की कड़ी निंदा की है। पाकिस्तान दशकों से आतंकवाद का शिकार रहा है।

युद्ध की दी गीदड़भभकी

पहलगाम हमले के बाद भारत की सैन्य कार्रवाई की तैयारी पर रक्षा मंत्री ने युद्ध की गीदड़भभकी दी।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
.919450482227

पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार की तैयारी पूरी, रोम में ये दिग्गज नेता और गणमान्य होंगे शामिल

रोमन कैथोलिक चर्च के सबसे लोकप्रिय धर्मगुरुओं में से एक पोप फ्रांसिस का अंतिम संस्कार 26 अप्रैल को किया जाएगा। पोप फ्रांसिस का ईस्टर सोमवार यानी 21 अप्रैल को निधन हो गया था। वर्तमान में पोप फ्रांसिस के पार्थिव शरीर को वेटिकन सिटी के सेंट पीटर्स बेसिलिका में रखा गया है जहां राजकीय सम्मान के साथ वो विश्राम कर रहे है। बता दें कि पोप का अंतिम संस्कार शनिवार 26 अप्रैल को सेंट पीटर्स बेसिलिका में किया जाना है। पोप के अंतिम संस्कार में कई वैश्विक नेता उपस्थित होंगे और उन्हें श्रद्धांजलि देंगे। अंतिम संस्कार में शामिल होने वाले नेताओं की सूची काफी लंबी है। पोप फ्रांसिस को अंतिम श्रद्धांजलि देने और उनके अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए प्रिंस विलियम, डोनाल्ड ट्रंप से लेकर कई अन्य नेताओं का जमावड़ा लगेगा। बता दें कि भारत की ओर से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इस सप्ताह के अंत में किए जाने वाले पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए शुक्रवार को वेटिकन सिटी रवाना हो चुकी है। राष्ट्रपति मुर्मू के साथ केंद्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रीजीजू, अल्पसंख्यक मामलों एवं मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन और गोवा विधानसभा के उपाध्यक्ष जोशुआ डी सूजा भी हैं।

अमेरिका

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अपनी पत्नी मेलानिया के साथ पोप के अंतिम संस्कार में शामिल होंगे। ट्रूथ सोशल पर एक सोशल मीडिया पोस्ट में ट्रम्प ने कहा, 'मेलानिया और मैं रोम में पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में जाएंगे। हम वहां होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

यूनाइटेड किंगडम

केंसिंग्टन पैलेस द्वारा मिली जानकारी के मुताबिक प्रिंस विलियम शाही परिवार की ओर से वेटिकन में 88 वर्षीय पोप के अंतिम संस्कार में शामिल होंगे। प्रिंस विलियम इस महीने की शुरुआत में रानी कैमिला के साथ रोम आए थे। यहां उन्होंने पोप से वेटिकन में मुलाकात भी की थी। वहीं 10 डाउनिंग स्ट्रीट ने पुष्टि की है कि प्रधानमंत्री

कीर स्टारमर भी अंतिम संस्कार में शामिल होंगे, क्योंकि उन्हें निमंत्रण मिला है।

यूरोपीय संघ

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यूरोपीय संघ का कहना है कि आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन रोम जाएंगे। पोप को श्रद्धांजलि देते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने कैथोलिक चर्च से परे, लाखों लोगों को अपनी विनम्रता और कम भाग्यशाली लोगों के प्रति शुद्ध प्रेम से प्रेरित किया।

फ्रांस

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों भी अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए रोम पहुंचेंगे। पोप को श्रद्धांजलि देने पहुंचने से पहले उन्होंने कहा कि हम पोप के अंतिम संस्कार में शामिल होंगे जैसा कि हमें होना चाहिए। बता दें कि पोप की मृत्यु के बाद मैक्रों ने हिंद महासागर क्षेत्र का दौरा बीच में ही छोड़ दिया था।

अर्जेंटीना

पोप फ्रांसिस के गृह देश अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली अंतिम संस्कार में शिरकत करेंगे। बता दें कि पोप का अपने देश अर्जेंटीना की राजनीति के साथ नाजुक रिश्ता था। पोप का जन्म अर्जेंटीना में वर्ष 1936 में हुआ था।

ब्राज़ील

ब्राज़ील के राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला दा सिल्वा और उनकी पत्नी जंजा अंतिम संस्कार में शामिल होंगे। इसके बारे में बोलते हुए, लूला ने कहा कि फ्रांसिस ने "उन आर्थिक मॉडलों की कड़ी आलोचना की है, जिन्होंने मानवता के साथ बहुत अन्याय किया है"। इस बीच, ब्राजील ने भी पोप के लिए सात दिन का शोक घोषित किया। इस अंतिम संस्कार में शामिल होने वाले अन्य गणमान्य व्यक्तियों में आयरलैंड से प्रधानमंत्री माइकल मार्टिन, स्पेन से राजा फेलिप और रानी लेटिज़िया, बेल्जियम से राजा फिलिप और रानी मैथिल्डे, प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर के साथ, पूर्वी तिमोर से राष्ट्रपति जोस रामोस–होर्ता, जर्मनी से राष्ट्रपति फ्रैंक–वाल्टर स्टीनमीयर और निवर्तमान चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़, हंगरी से राष्ट्रपति तामस सुल्योक, इटली से राष्ट्रपति सर्जियो मैटरेला और प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी, लातविया से राष्ट्रपति एडगर्स रिंकेविक्स, लिथुआनिया से राष्ट्रपति गीतानास नौसेदा, पोलैंड से राष्ट्रपति इली बोलोजान, स्विट्जरलैंड से राष्ट्रपति करिन केलर–सटर, चेक गणराज्य से प्रधानमंत्री पेट्र फियाला शामिल है। वहीं कुछ ऐसे नेता भी हैं जो पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में हिस्सा नहीं लेंगे। इसमें रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू भी शामिल है। ये ऐसे नेता हैं जो अंतिम संस्कार में शामिल नहीं होंगे।

रूस

राष्ट्रपति पुतिन अंतिम संस्कार में शामिल नहीं होंगे। अंतिम संस्कार में शामिल ना होने का क्रेमलिन ने कोई विशेष कारण नहीं बताया है। मगर अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय के गिरफ्तारी वारंट के कारण उनकी अंतर्राष्ट्रीय यात्रा सीमित हो चुकी है। उन्होंने कैथोलिक चर्च के प्रमुख कार्डिनल केविन फैरेल को एक संदेश भेजा।

इज़राइल

इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पुष्टि की है कि वह अंतिम संस्कार में उपस्थित नहीं होंगे। उनके अलावा ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग–ते, कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कैरी, चिली के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक और नीदरलैंड के राजा विलेम अलेक्जेंडर भी पोप के अंतिम संस्कार में शामिल नहीं होंगे।

सेना का पहलगाम पर पहला तगड़ा अटैक, उड़ा दिया आतंकी का पूरा अड्डा

पहलगाम में आतंकी हमले की जिम्मादीर टीआरएफ को भारी पड़ रही है। टीआरएफ के एक एक आतंकी पर भारतीय सेना की नजर है। लेकिन फिलहाल सबसे बड़ा आतंकी आदिल हुसैन भारतीय सेना की रडार पर आ चुका है। वही आदिल हुसैन जो जम्मू कश्मीर का स्थानीय आतंकी था। वही आदिल हुसैन जिसने पाकिस्तानी आतंकियों की मदद की और इस ऑपरेशन में बराबर हिस्सेदारी निभाई। वही आदिल हुसैन जिस पर भारतीय सेना ने 20 लाख का ईनाम ठोक रखा है। इसी आदिल हुसैन के घर को अब भारतीय सेना ने आईईडी ब्लास्ट से उड़ा दिया है। अनंतनाग के घोरी इलाके में स्थित आदिल का घर सुरक्षाबलों के निशाने पर आ गया। आदिल के घर को सुरक्षाबलों ने बम से उड़ा दिया। आदिल हुसैन को एक ऐसा जख्म भारतीय सेना ने दिया है जिसके बाद वो फड़फड़ाएगा और अपने बिल से बाहर आएगा। इसी का इंतजार भारतीय सेना को है।

आदिल को पकड़कर मारगिराने के लिए भारतीय सेना इस समय जम्मू कश्मीर के चप्पे चप्पे को खंगाल रही है। 22 अप्रैल को पहलगाम में हमले की योजना बनाने और उसे अंजाम देने में मदद करने का उस पर आरोप था। वहीं दूसरी तरफ इस हमले में शामिल दूसरे आतंकी आसिफ शेख के त्राल स्थित घर को जम्मू कश्मीर प्रशासन ने बुलडोजर से गिरा दिया गया। सैन्य सूत्रों ने बताया की स्टील टीप वाली गोलियां, एकके 47 रायफल और बॉडी कैमरा पहले लश्कर ए तैयबा के चार आतंकियों ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हिंदुओं को निशाना बनाया। उन पर गोलियों की बौछार की थी। इस हमले में 28 निर्दोष लोग मारे गए थे। वो निर्दोष लोग जो जम्मू कश्मीर में इस भरोसे के साथ गए थे, ये सोचकर कि वो वहां स्थानीय लोगों के बीच महफूज़ रहेंगे। लेकिन वहीं ऐसे दो गद्दार स्थानीय निकले जिन्होंने आतंकवादियों का साथ दिया। पहलगाम के बैसरन में हुआ यह हमला – जिसे मिनी स्विटजरलैंड कहा जाता है – में 25 भारतीय नागरिकों और एक नेपाली नागरिक की जान चली गई। बैसरन घास के मैदान में हुआ हमला – एक पर्यटक आकर्षण का केंद्र जो हिमालय और घाटी के विशिष्ट देवदार के जंगलों के अद्भुत दृश्यों के लिए जाना जाता है। हाल के वर्षों में इस क्षेत्र में नागरिकों पर हुए सबसे घातक हमलों में से एक था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारत पहलगाम हमले के पीछे मौजूद हर आतंकवादी और उनके समर्थकों की पहचान करेगा, उनका पता लगाएगा और उन्हें दंडित करेगा। उन्होंने मधुबनी में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित किया। जहां अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि आज, बिहार की धरती से, मैं पूरी दुनिया से कहता हूं कि भारत हर आतंकवादी और उनके समर्थकों की पहचान करेगा, उनका पता लगाएगा और उन्हें दंडित करेगा। हम उन्हें धरती के छोर तक खदेड़ेंगे। आतंकी हमले के बाद अपनी पहली सार्वजनिक टिप्पणी में उन्होंने कहा कि आतंकवाद से भारत की आत्मा कभी नहीं टूटेगी। आतंकवाद को दंडित किए बिना नहीं छोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि हमले के पीछे के आतंकवादियों और उनके योजनाकारों को ष्उनकी कल्पना से परे सजा दी जाएगी।

भारत को जो सही लगे, वो करे, हम उसके साथ, पहलगाम आतंकी हमले पर ब्रिटिश सांसदों ने किया समर्थन

लंदन। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत को दुनियाभर में समर्थन मिल रहा है। ब्रिटेन के कई सांसदों ने भी भारत का समर्थन किया है और पहलगाम आतंकी हमले पर दुख जताया। ब्रिटिश सांसद बॉब ब्लैकमैन ने तो यहां तक कहा है कि भारत इस हमले के जवाब में जो भी कार्रवाई करेगा, उसे हमारा समर्थन रहेगा। वहीं भारतीय मूल के ब्रिटिश सांसद तनमनजीत सिंह धेसी

ने भी पहलगाम आतंकी हमले पर नाराजगी जताई और कहा कि हमले के दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाए।

धर्म के आधार पर नफरत गलत

लंदन स्थित इंडिया हाउस में पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ब्रिटिश सांसद बॉब ब्लैकमैन ने कहा कि हम यहां अपना दुख जताने आए हैं। जब भी आतंकी हमला होता है, यह मानवता पर हमला है। यह आतंकी हमला दिखाता है कि लोगों से उनके धर्म के आधार पर नफरत की जा रही है और इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। मैंने हाउस ऑफ कॉमन्स में भी ये मामला उठाया है। मैंने सरकार से अपील की है कि न सिर्फ पहलगाम आतंकी हमले पर दुख जताएं बल्कि भारत इस हमले के जवाब में जो भी कदम उठाए, उसे पूरा समर्थन भी दें। हालांकि इससे संघर्ष छिड़ने का भी खतरा है। पीड़ितों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। सभी हिंदुओं के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं और हम शर्मिंदा हैं। ब्रिटिश सांसद ने कहा कि ष्नौ साल पहले मैं कश्मीर गया था तो उसकी प्राकृतिक सुंदरता हमेशा के लिए मन में मन में छप गई। आतंकी घाटी में पर्यटन खत्म करना चाहते हैं, लेकिन हम उन्हें ऐसा करने की इजाजत नहीं दे सकते। आतंकियों को न्याय के कटघरे में लाया जाए या उनका खात्मा किया जाए। ये मेरा मानना है कि ब्रिटेन की सरकार भारत का साथ देगी और भारत जो भी करना चाहता है, चाहे वो सैन्य कार्रवाई ही हो, उसका समर्थन करेगी।

पहलगाम आतंकी हमला कायराना करतूत

कार्यक्रम में ब्रिटेन की एक अन्य सांसद कैथरीन वेस्ट भी शामिल हुईं और उन्होंने भी पहलगाम आतंकी हमले पर संवेदना प्रकट की और इसे निर्दोष नागरिकों पर कायराना हमला बताया। भारतीय मूल के तनमनजीत सिंह धेसी ने ब्रिटिश संसद में पोप फ्रांसिस के निधन पर दुख जताया और पहलगाम आतंकी हमले को कायराना बताते हुए इसकी तीखी आलोचना की। एक अन्य सांसद लूसी पावेल ने भी पहलगाम हमले को लेकर कहा इस मुश्किल समय में ब्रिटेन सरकार की संवेदनाएं पीड़ितों के साथ हैं। बीती 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की हत्या कर दी गई थी।

लंदन उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन

पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग के बाहर लोग इकट्ठा हुए और कायराना हमले की तीखी भर्त्सना की। इस दौरान लोगों ने भारत माता की जय के नारे लगाए और भारत का राष्ट्रीय ध्वज लहराया। भारतीय मूल के लोगों ने पीएम मोदी से अपील की कि वे इस हमले के खिलाफ सख्त से सख्त कदम उठाएं। आतंकवाद का पोषण करने के लिए पाकिस्तान को भी आड़े हाथों लिया गया।

यूएन में उठा पहलगाम हमले का मुद्दा, सभी एक सुर में बोले- नागरिकों को निशाना बनाना स्वीकार नहीं

संयुक्त राष्ट्र। पहलगाम हमले का मुद्दा संयुक्त राष्ट्र में भी उठा है। हमले की वैश्विक नेताओं ने भी निंदा की है। उन्होंने कहा कि नागरिकों को निशाना बनाना अस्वीकार नहीं है। इसे किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता। संयुक्त राष्ट्र में भारत की ओर से हुए भविष्य के डिजिटल नागरिक को सशक्त बनानाः एकीकृत डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) की ओर विशेष कार्यक्रम में संयुक्त राष्ट्र के दूतों और नेताओं ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र के अध्यक्ष फिलेमोन यांग ने कहा कि मैं जम्मू–कश्मीर में हाल ही में हुए हमलों के पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करना चाहता हूं। नागरिकों को निशाना बनाना अस्वीकार्य है और इसे किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता। भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने कहा कि मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं भारत के कश्मीर में पहलगाम में हुए भीषण आतंकवादी हमले के पीड़ितों के परिवारों के साथ हैं। आइए हम पीड़ितों को याद करें और निर्दोष लोगों को निशाना बनाने वाले आतंकवादियों द्वारा की गई इस नृशंस और अमानवीय हिंसा की स्पष्ट रूप से निंदा करें। एक राष्ट्र के रूप में हम इस बड़ी क्षति पर शोक मना रहे हैं। मैं इस दुख की घड़ी में भारत के साथ अपनी एकजुटता व्यक्त करने के लिए संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों को धन्यवाद देता हूं। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पी हरीश ने कहा कि भारत जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए क्रूर आतंकी हमले में जानमाल के नुकसान पर शोक व्यक्त करता है। संयुक्त राष्ट्र और दुनिया को नागरिकों और पर्यटकों के खिलाफ किए गए ऐसे आतंकवाद की सार्वजनिक रूप से निंदा करनी चाहिए। जिसका कोई औचित्य नहीं हो सकता। उन्होंने भारत के उन सभी मित्रों और भागीदारों का आभार व्यक्त किया जिन्होंने संवेदना व्यक्त की। इस कठिन समय में हमारे साथ एकजुटता दिखाई और आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों की निंदा की। अवर महासचिव और डिजिटल क्षेत्र में संयुक्त राष्ट्र महासचिव के विशेष दूत अमनदीप सिंह गिल ने भी आतंकी हमले में अपने प्रियजनों को खोने वाले लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। ब्राजील के उप स्थायी प्रतिनिधि राजदूत नॉरबर्टो मोरेटी ने भी आतंकी हमले में अपनी जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के मुख्य डिजिटल अधिकारी रॉबर्ट ओप ने हमले पर अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि मैं हाल ही में हुए हमले के पीड़ितों के प्रति भी अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अरुण सुंदरराजन ने कहा कि मैं भारत सरकार और हाल ही में हुए अक्षम्य आतंकी हमले में नुकसान झेलने वाले लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।